समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०२१ • वर्ष ७२ • अंक ०८

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन के प्रशासनिक कार्यालय भवन के परिसर में पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ झंडोत्तोलन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया।

१४ अगस्त २०२१ को सम्मेलन कार्यालय सभागार कोलकाता में हरियाली तीज के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में (बायें से) सर्वश्री बसंत मित्तल, विजय लोहिया, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, संजय हरलालका, प्रह्लाद राय गोयनका एवं कैलाशपति तोदी। दाहिने - सुविख्यात गायिका श्रीमती मारुति मोहता।

७५ वर्ष के हुए सीताराम शर्मा

१३ अगस्त २०२१ को सम्मेलन कार्यालय सभागार, कोलकाता में श्री सीताराम शर्मा की ७५वीं वर्षगाँठ (कौस्तुभ जन्मोत्सव) पर अभिनंदन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं पदाधिकारीगण।

www.rungtasteel.com

Rungta Mines Limited
Chaibasa

KYONKI
GHAR
HAR ROZ
NAHI BANTA

RUNGTA STEEL®
TMT BAR

EKDUM SOLID!

thumbprint/RS/E/1

STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA - 833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA

Toll Free:
1800 890 5121
E-mail: tmtmkt@rungtamines.com

समाज विकास

◆ अगस्त २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक ०८

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** देशप्रेम की भावना अत्यावश्यक	४
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** अधिकार और कर्त्तव्य – एक सिक्के के दो पहलू	५
● **रपट –**	
अखिल भारतीय समिति की बैठक	६-७
स्वतंत्रता दिवस समारोह	८
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा की वर्षगाँठ	११-१३
हरियाली तीज पर सांस्कृतिक संध्या	१४
● प्रादेशिक समाचार	१५-१६
● **आलेख : आलोक तुलस्यान** आध्यात्मिक राष्ट्रवाद	१७
● **कविता : रतन लाल बंका / विविध** अहम	१८
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**	१९
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२०-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

रमेश बैस

राज्यपाल, झारखंड

राज भवन
रांची - 834001
झारखंड

पत्रांक: 304 / 2021
दिनांक: 05 अगस्त 2021

प्रिय श्री गारोडिया जी,

झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने पर मुझे आपकी हार्दिक शुभकामनाएं मिली हैं, इस अवसर पर मुझे याद करने के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

सस्नेह।

भवदीय,

(रमेश बैस)

सेवा में,

जी.पी. गारोडिया
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथी मंजिल),
41 शेक्सपियर सारणी, कोलकाता–700017

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

देशप्रेम की भावना अत्यावश्यक

इस वर्ष हम स्वाधीनता के ७५वें वर्ष के अवसर पर अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि सभी प्रकार के आशंकाओं एवं भविष्यवाणियों के बावजूद हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है। एक दिन के लिए हो, देशप्रेम की भावना का सैलाब आयेगा। अनगिनत तिरंगे फहराए जाएँगे। 'वंदे मातरम, जय हिंद, महात्मा गांधी की जय' के गगनभेदी नारे लगाए जाएँगे। इसके आगे कलम रूक जाती है। इतना होने के बावजूद भी अधिकांश नागरिक तो इस दिन को एक छुट्टी के बतौर ही लेंगे। यह भी कटु सत्य है कि देश का एक बहुत बड़ा तबका है जो उस दिन की महत्ता और उसमें निहित भावना से अनभिज्ञ है या उनके लिए बेमानी है। क्योंकि वे अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। तथाकथित देशप्रेम एक दिन के लिए शाम होने तक सरकारी महकमों तक सिमट कर रह जाएगा। देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत, जनता के पैसे से, नेता एवं अधिकारीगण विभिन्न भोज कार्यक्रमों में देशप्रेम प्रदर्शित करते हुए भाग लेते नजर आएँगे। देशप्रेम का जश्न वर्ष में दो बार मनाया जाता है। जिनके बलिदान के कारण यह स्वतंत्रता मिली, कहीं-कहीं पर उनका स्मरण भी हो जाता है। आज की युवा पीढ़ी संग्राम के बलिदानियों के संघर्ष एवं त्याग के विषय में कितना जानती है, इस पर प्रश्नचिह्न लगाया जा सकता है। स्वाधीनता के अवसर पर यह आशा की गई थी :

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले
वतन पर मरने वालों का यही नामो निशां होगा।

स्वतंत्रता के ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरा देश वर्ष के ३६५ दिन देशप्रेम के जज्बे से ओतप्रोत रहता था। समाज के हर तबके के लोग स्वाधीनता के लिए जी रहे थे। हँसते-हँसते अनगिनत देशप्रेमियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, जेल गए, लाठियाँ खाई, एक जून रोटी खाकर भी देशप्रेम की ज्वाला में स्वाधीनता के सपने संजोए। अपने प्राणों की आहुति में वे अपना गर्व समझते थे। उनकी भावनाओं को निम्न पंक्तियों में मार्मिक ढंग से बयान किया गया है :

लिख रहा हूं अंजाम जिसका कल आगाज आएगा
मेरे हर लहू का कतरा इंकलाब लाएगा
मैं रहूं ना रहूं पर यह वादा है तुमसे मेरा
मेरे बाद वतन पर मरने वालों का सैलाब आयेगा।

देश के हर कोने में स्वतंत्रता पाने के लिए कुछ भी करने के लिए लोग तैयार थे। पूरा देश स्वाधीनता के सपने लेकर सोता था एवं प्रातः स्वाधीनता के लिए संकल्पित होकर उठता था। उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि वह जीवित रहेंगे या नहीं। उन्होंने यह भी कभी नहीं सोचा कि उन्हें बलिदान के बदले क्या मिलेगा। उनका बस यही सपना था कि स्वाधीन देश में अनाचार-अत्याचार का अंत होगा एवं देश के सम्पदाओं का लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचेगा। इन बातों को विस्तार देने का तात्पर्य है कि हम समझें कि संकल्प एवं बलिदान की भावना लेकर ही हम किसी उच्च लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। दुख की बात है कि स्वाधीनता के बाद इस प्रकार की भावना का सर्वथा लोप हो गया। बलिदानियों की व्यक्तिगत कुछ भी कामना नहीं थी। उन्होंने इसलिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुदृढ़ होगा। आवश्यकता इस बात की थी कि उस त्याग एवं दूसरों के लिए बलिदान की भावना की कीमत हम समझ सकते। बलिदानियों ने हम लोगों के लिए बलिदान किया। कम से कम हम इस लायक तो बनें जिसके लिए कोई बलिदान दे। स्वार्थपरकता एवं अनेक प्रकार की विकृतियों से देशवासी ग्रस्त हो गए हैं। हम कहते हैं कि हमें देश पर गर्व है। कम से कम हमारा भी दायित्व बनता है कि हम ऐसा बने या ऐसा करें जिससे देश को भी हम पर गर्व हो। अंग्रेज चले गए एवं शासन व्यवस्था की बागडोर राजनीतिज्ञों के हाथ आ गई। राजनीति जो कभी जनसेवा का माध्यम हुआ करती था महज सत्ता का खेल बन गयी। सत्ता हासिल करने एवं बने रहने के लिए बिना किसी कृणणता या संकोच के राजनीति से नीति को विभक्त कर दिया गया। दुष्यंत कुमार की पंक्तियाँ शासक समुदाय पर सटीक बैठती हैं : **आप दीवार गिराने आए थे, आप दीवार उठाने लगे, हद है।**

देश ने विगत ७५ वर्षों में प्रगति की है। त्रासदी यह है कि विकास का लाभ जहाँ पहुँचना था, वह बीच में ही कही रुक गया। अमीरी एवं गरीबी के बीच खाई गहरी से गहरी होती जा रही है। देश में रोजगार एवं अन्य आय के साधन पर्याप्त नहीं जुटा कर लोगों को आंशिक मुफ्त सहायता देकर उनको निकम्मा बना दिया गया। लोगों की उत्पादकता कम होती गई। कठोर श्रम एवं संकल्प के अभाव ने उनके जीवन को नीरस बना दिया। शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में लाभ कुछ तबके के लोगों तक ही सीमित रह गया। सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए देश का गरीब आदमी अभी भी आस लगाए हुए है। ले-देकर वोट देने के अधिकार का खिलौना उन को बहलाने के लिए काफी है। देश के आम आदमी की हालत कुछ इस प्रकार है : **सामान कुछ नहीं फटे हाल है, मगर झोले में उसके पास कोई संविधान है।**

देशप्रेम की भावना चिराग लेकर ढूँढने से भी नदारद है। बदलाव सब चाहते हैं लेकिन स्वयं को बदलने के लिए कोई तैयार नहीं। लोग पूछते हैं कि गरीबों की रहनुमाई करते-करते लोग अमीर कैसे बन जाते हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आवाहन किया कि अब देश के लिए मरने की आवश्यकता नहीं; अब हमें देश के लिए जीने की आवश्यकता है। दक्षिण एशिया के अन्य छोटे-छोटे देश एवं चीन ने पिछले ३०-४० वर्षों में जो प्रगति की है, उससे हमें सबक लेने की आवश्यकता है। जब तक पूरा देश संकल्पित होकर एक लक्ष्य के लिए बिना निजी स्वार्थ के कार्यरत नहीं होगा, देश की समस्याओं का निदान निकट भविष्य में होना आसान नहीं होगा। जब तक हम उस लायक नहीं बनते जिसके लिए बलिदानियों ने अपने प्राणों को न्यौछावर किया, कठोरतम यातनायें सही, तब तक देश को हम उस ऊँचाई पर नहीं ले जा सकते जो हमारा सपना है। भारतभूमि विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश है। यहाँ सभी प्रकार के खनिज, प्राकृतिक संपदा, अनुकूल मौसम, उपलब्ध हैं। हमारी संस्कृति एवं सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन एवं सर्वश्रेष्ठ है। हमारे ज्ञान का लोहा पूरा विश्व मानता है। सब कुछ हमारे पास है। हमें सिर्फ हमारी शक्ति को जागृत करना होगा। उन सब उपादानों का सही उपयोग करके अपना गौरवमय स्थान हासिल करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। देशप्रेम की भावना को जागृत करने की आज से अधिक आवश्यकता स्वाधीन भारत में कभी नहीं थी।

जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमे रसधार नहीं
वह हृदय नहीं पत्थर समझो जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।
स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ!

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

अधिकार और कर्त्तव्य – एक सिक्के के दो पहलू

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी समाजबंधु,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वृहत्तर परिवार के सभी सदस्यों को राष्ट्र के स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाइयाँ! आप सबको अच्छे स्वास्थ्य, मन की प्रसन्नता और सुसम्पन्नता की अशेष मंगलकामनायें!

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार १३ अगस्त २०२१ को कोलकाता-स्थित अपने केन्द्रीय कार्यालय पहुँचने का सुयोग प्राप्त हुआ। वहाँ पहुँचने पर साथी पदाधिकारियों, समाजबंधुओं एवं सम्मेलन के कर्मियों ने भावभीना स्वागत किया – अभिभूत हूँ! उत्कट हार्दिक अभिलाषा के बावजूद, कोरोनाजनित कारणों से इसके पूर्व कोलकाता नहीं आ सका था, इसका खेद था, किन्तु यह कोलकाता यात्रा अत्यंत सुखद-संतोषप्रद रही। सम्मेलन के वरिष्ठतम राष्ट्रीय अध्यक्ष, मार्गदर्शक एवं समाजचिंतक श्री सीताराम जी शर्मा की पचहत्तरवीं वर्षगाँठ (कौस्तुभ जन्मोत्सव) – १३ अगस्त २०२१, के समारोह में सम्मिलित होकर शुभकामनायें देने और आशीर्वाद लेने का अवसर मिला, हरियाली तीज के अवसर पर १४ अगस्त २०२१ को सम्मेलन सभागार में आयोजित सांस्कृतिक संध्या तथा अगले दिन राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के समारोह में शिरकत की और इन सबके अतिरिक्त कोलकाता में वरिष्ठ समाजबंधुओं, साथी पदाधिकारियों और सदस्यों/कार्यकर्ताओं से मिलने का अवसर मिला जो सोने में सुहागे की तरह था।

हजारों-लाखों देशभक्तों के सर्वस्व अर्पण के फल के रूप में प्राप्त हुई हमारी स्वतंत्रता की वर्षगाँठ हम सबके लिए एक परम पवित्र राष्ट्रीय पर्व है। यह हमारे लिए अतीत के सिंहावलोकन, वर्तमान के आकलन और भविष्य की योजनाओं पर विचार – तीनों का अवसर है। यह चिंतन कि किन कारणों से हम गुलामी के बंधनों में बँधे, सबसे पहले हमें आपसी फूट से बचने और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने का संदेश देता है। और जब इस अपमानजनक स्थिति से बाहर निकलने का प्रश्न आता है, तो स्वतः अपने वीर-बलिदानी पूर्वजों की छवि हमारे समक्ष कौंधती है। जिसके राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होता था, विश्व की उस सबसे बड़ी शक्ति के साथ चिरकाल तक लोहा लेकर हमारे पूर्वजों ने स्वाधीनता-रत्न की विजयश्री हमें धरोहर के रूप में सौंपी है। उन्हें कृतज्ञ-विनम्र पुष्पांजलि!

स्वातंत्र्योत्तर भारत में अपने गणतंत्र की स्थापना के बाद अब तक की विकासयात्रा का आकलन हमें यह निष्कर्ष देता है कि यद्यपि इस काल में हमने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं परन्तु अभी बहुत कुछ करना बाकी है। **बीसवीं शताब्दी के मध्यकाल में, हमारे समसामयिक स्वतंत्र हुए अनेक देश टूट, तानाशाही, सैनिक-शासन, गृहयुद्ध आदि के शिकार हुए, वहीं हमारा देश एक जीवंत-जोशपूर्ण लोकतांत्रिक प्रणाली के अन्तर्गत चलते हुए प्रायः हर क्षेत्र में विकासरत है, यह हम सब के लिए गौरव का विषय है।**

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के लोकप्रिय एवं बहुचर्चित राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी की एक विश्वप्रसिद्ध उक्ति है, ''**आस्क नॉट ह्वाट योर कंट्री कैन डू फॉर यू – आस्क ह्वाट यू कैन डू फॉर योर कंट्री!**'' यह उक्ति सिर्फ संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ही नहीं प्रत्येक देश और उसके सचेत नागरिकों के लिए प्रासंगिक है। अपने देश में भी आप पायेंगे कि सम्प्रदाय, जाति, क्षेत्र, आदि के नाम पर विभिन्न समूह आए दिन आरक्षण या अन्य सुविधाओं की माँग करते रहते है। तार्किक आधार पर नहीं बल्कि अपने राजनैतिक लाभ के लिए राजनैतिक दल भी आम लोगों की सुविधा तथा अपनी दूरदर्शिता को ताक पर रखकर इन मुद्दों के माध्यम से अपनी सियासी रोटियाँ सेंकते हैं। यह एक चिंतनीय विषय है। **यहाँ यह कहना भी प्रासंगिक होगा कि मारवाड़ी समाज ने देश के किसी भी प्रदेश में कभी भी आरक्षण या किसी अन्य सुविधा विशेष की माँग नहीं की!**

अपने वाजिब अधिकारों के लिए आवाज उठाने को कोई अनुचित नहीं ठहराएगा किन्तु मात्र नाम हेतु अहितकर आंदोलन कर आम जनजीवन को अस्तव्यस्त करना कहीं से भी राष्ट्र या समाज के हित में नहीं है। साथ ही, हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों का भी भान होना चाहिए। अधिकार और कर्त्तव्य एक सिक्के के ही दो पहलू हैं। एक सचेत नागरिक और सामाजिक प्राणी के रूप में राष्ट्र और समाज के प्रति हमारे कर्त्तव्य भी हैं जिनका पालन करना हमारा वैधानिक एवं नैतिक दायित्व है। एक ज्वलंत उदाहरण राजनैतिक सक्रियता का है। राजनीति के गिरते स्तर पर टिप्पणी, विश्लेषण करने वाले आपको बहुधा मिल जायेंगे किन्तु इसके स्तर को ऊँचा करने के लिए स्वयं सक्रिय राजनीति में भाग लेने के इच्छुक बहुत कम। राजनैतिक उदासीनता का आलम यह है कि मतदान के दिन को बहुत से लोग छुट्टी के दिन के रूप में देखते हैं। इस मामले में हमारा समाज भी अछूता नहीं है। हम सबको अपने राजनैतिक दायित्वों का पालन करना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। **अधिकारों और कर्त्तव्यों में अन्योनाश्रय सम्बंध है – अधिकारों की बात उनके ही मुँह से शोभा पाती है जो अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हैं।**

कोरोनाराहत सेवाकार्यों से सम्बंधित हमारी गतिविधियाँ सुचारु रूप से सम्पादित की जा रही हैं। ईश्वरेच्छा से पूरे देश में कोरोना-संक्रमण की स्थिति में सुधार आया है। शनैः-शनैः केन्द्रीय सम्मेलन एवं प्रांतीय शाखाओं के पदाधिकारियों ने क्रमशः राज्यों और शाखाओं के दौरे करना प्रारम्भ कर दिया है। सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की आगामी बैठक, जो पटना में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में १९ सितम्बर २०२१ को होगी, को हम लोगों ने वर्चुअल (आभासी) के साथ-साथ फिजीकल (वास्तविक) उपस्थिति के साथ करने का निर्णय लिया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि स्थिति यथाशीघ्र सामान्य हो ताकि हम सब समाजहित की गतिविधियों में निशंक, पूरे प्राण-पन से लग सकें!

जय समाज, जय राष्ट्र!

कोरोना को हराने के लिए सघन टीकाकरण अभियान जरूरी – हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : गोवर्धन गाड़ोदिया

"आज समय की माँग है कि हम अपना समय, ऊर्जा और संसाधन कोरोना–टीकाकरण पर केन्द्रित करें – स्वयं टीका लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। टीकाकरण का कोई विकल्प नहीं है। कोरोना को हराने के लिए सघन टीकाकरण अभियान जरूरी है और इसमें हम सबको अपनी भूमिका निभानी है, यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है।" ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने गत २९ अगस्त २०२१ को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के चलते छोटे व्यापारियों और दैनिक धंधे, मजदूरी करनेवालों की आर्थिक स्थिति पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और वर्तमान परिस्थितियों में सभी संसाधनहीन लोगों की सेवा और सहायता करना हमारा नैतिक कर्त्तव्य है। श्री गाड़ोदिया ने बताया कि पूरे देश में सम्मेलन की शाखायें टीकाकरण में सक्रिय सहयोग कर रही हैं, अकेले गौहाटी शाखा ने ही पैंतीस हजार से अधिक लोगों को कोरोना टीका के दोनों डोज लगवाये हैं।

श्री गाड़ोदिया ने सबसे पहले सभी उपस्थितों का स्वागत किया और जन्माष्टमी की बधाइयाँ दी। सम्मेलन के हाल के कार्यकलापों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यद्यपि पूरे देश के साथ-साथ सम्मेलन की गतिविधियाँ भी कोरोना से प्रभावित हुई हैं, तथापि सभी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। इनके अतिरिक्त कोरोना-संक्रमण से बचाव और उपचार आदि के विषय में सदस्यों की जानकारी और सतर्कता बढ़ाने हेतु लब्धप्रतिष्ठ विशेषज्ञों के साथ वेबिनार आयोजित किए गए। श्री गाड़ोदिया ने इन वेबिनारों के आयोजन हेतु सम्मलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** एवं स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **श्री पवन जालान** का आभार ज्ञापित किया।

संगठन-विस्तार के विषय में बताते हुए श्री गाड़ोदिया ने कहा कि वर्तमान सत्र में झारखंड, बिहार और कर्नाटक की प्रादेशिक शाखाओं की अग्रणी एवं प्रशंसनीय भूमिका रही है। साथ ही, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल एवं महाराष्ट्र में भी सदस्य-संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने कार्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटीज के अन्तर्गत गतिविधियाँ करने वाली संस्था के रूप में सम्मेलन के पंजीकरण को स्वीकृति दी है, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस स्वीकृति हेतु सक्रिय प्रयासों के लिए उन्होंने राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** की प्रशंसा की।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि अत्यंत हर्ष का विषय है कि पूरे देश में सम्मेलन की शाखायें कोरोना-राहत सेवाकार्य में यथासम्भव योगदान कर रही हैं। नये-नये कार्यक्रम लिए जा रहे हैं और उनका सफलतापूर्वक सम्पादन किया जा रहा है। उन्होंने सम्मेलन के कार्यक्रमों से महिलाओं और युवकों को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय सम्मेलन एवं इसकी प्रादेशिक शाखाओं के बीच संवाद की स्थिति बेहतर हुई है और इसका पूरा श्रेय राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन जी की सक्रियता को जाता है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के इतिहास को लिपिबद्ध करने के अधूरे पड़े कार्य को पूरा करना चाहिए जिससे नये जुड़ने वाले समाजबंधु और आनेवाली पीढ़ियाँ सुगमतापूर्वक सम्मेलन के विषय में जान सकें।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने समाज की सभी संस्थाओं को साथ लेकर काम करने पर बल देते हुए कहा कि इससे समाज सुधार, सेवाकार्यों सहित हर क्षेत्र में मदद मिलेगी। उन्होंने सलाह दी कि सम्मेलन को अपने स्थानीय शाखाओं के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ हर स्तर तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए। श्री रुँगटा ने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं को सम्मेलन के उच्च शिक्षा कोष से अनुदान दिया गया है, उन्हें सम्मेलन के साथ जोड़ने का प्रयास होना चाहिए। साथ ही, जो भली–भांति स्थापित हो गये हों, उन्हें उच्च शिक्षा कोष के भावी आवेदकों का सहयोग करना चाहिए जो उनका नैतिक दायित्व है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में गरीब लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि यूँ तो सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज सुधार है, किन्तु कोरोनाजन्य कारणों से आज सेवाकार्यों की महता बढ़ गई है। वर्तमान समय में टीकाकरण पर जोर रखने को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि अपने अनुष्ठानों में फिजूलखर्ची के बजाय समाजहित के इन कार्यों में सहयोग करना धन का सदुपयोग है।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (२७ दिसम्बर २०२०; वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। उन्होंने सम्मेलन की हालिया गतिविधियों पर 'महामंत्री की रपट' भी प्रस्तुत की।

प्रांतीय अध्यक्षों **सर्वश्री महेश जालान** (बिहार), **नन्द किशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग), **राजकुमार पुरोहित** (महाराष्ट्र), **अशोक कुमार मूंधड़ा** (तमिलनाडु), **ओमप्रकाश खण्डेलवाल** (पूर्वोत्तर), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक), **लक्ष्मीपत भूतोड़िया** (दिल्ली) एवं झारखंड के महामंत्री **श्री पवन शर्मा** ने अपने-अपने प्रांतों की गतिविधियों और सेवाकार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों **श्री भानीराम सुरेका** एवं **श्री पवन कुमार सुरेका, सर्वश्री**

जुगल किशोर मारू, **राजकुमार केडिया**, **दिनेश जैन**, **आत्माराम सोन्थलिया**, **शिव कुमार लोहिया**, **नंदलाल सिंघानिया** एवं **श्रीमती सुषमा अग्रवाल**, **पवन शर्मा** ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने अपने प्रभार के प्रान्तों दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश एवं उत्तराखंड के कार्यकलापों के विषय में संक्षेप में बताया तथा धन्यवाद-ज्ञापन किया। बैठक में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया**, **श्री रामअवतार पोद्दार**, **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, उपाध्यक्ष **डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका**, संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री गोपाल अग्रवाल** एवं **श्री सुदेश अग्रवाल**, संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल**, कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर बिदावतका**, न्यायमूर्ति **श्री रमेश मेरठिया**, सर्वश्री **भागचन्द पोद्दार**, **रतन लाल बंका**, **कैलाशपति तोदी**, **जयदयाल अग्रवाल**, **प्रह्लाद राय गोयनका**, **योगेश तुलस्यान**, **कमल नोपानी**, **नारायण प्रसाद अग्रवाला**, **नारायण प्रसाद डालमिया**, **अरुण प्रकाश मल्लावत**, **महाबीर मनक्सिया**, **शिवहरि बंका**, **शिव कुमार टेकरीवाल**, **अरुण अग्रवाल**, **अशोक अग्रवाल**, **विनोद जैन**, **विनोद किला**, **कमल केडिया**, **धर्मचन्द मोदी**, **मधूसूदन सीकरिया**, **ओमप्रकाश पोद्दार**, **रंजीत डालमिया**, **राज कुमार मिश्रा**, **जे.के. बजाज**, **बिजय डोकानियाँ**, **रवि शर्मा**, **जगदीश गोलपुरिया**, **बाबूलाल गग्गड़**, **कौशल राजगढ़िया**, **अशोक केडिया**, **अशोक गुप्ता**, **अशोक तुलस्यान**, **बजरंगलाल अग्रवाल**, **बिष्णुदयाल अग्रवाल**, **सांवरलाल शर्मा**, **राधेश्याम बंसल**, **बसंत गाड़ोदिया**, **पवन पोद्दार**, **अनिल अग्रवाल**, **सांवरमल शर्मा**, **सर्वश्रीमती/सुश्री कंचन केजरीवाल**, **उर्मिला दिनोदिया**, **सरोज जालान**, **स्तुति बंसल**, **राजनंदिनी बंसल**, **उर्मिला बंका**, **सीता हरलालका**, **सुषमा लाखोटिया** सहित पूरे देश से समाज की महिलायें-पुरुष उपस्थित थे।

उपलब्धि

प्रकाश हेतमसरिया सिंगापुर के लोक सेवा पदक के लिए चयनित

सिंगापुर सरकार ने इस वर्ष अपने राष्ट्रीय दिवस (०९ अगस्त) पर उनके **राष्ट्रीय पुरस्कार 'लोक सेवा पदक' के लिए श्री प्रकाश हेतमसरिया** के नाम की घोषणा की है। यह पुरस्कार सिंगापुर में किसी व्यक्ति को सराहनीय जनसेवा, कला, साहित्य, खेलकूद, विज्ञान, व्यापार, व्यवसाय एवं श्रम आंदोलन के क्षेत्र में उपलब्धि के लिए दिया जाता है। उन्हें यह पुरस्कार सिंगापुर के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा।

श्री प्रकाश हेतमसरिया का पैतृक स्थान मंडावा (राजस्थान) है तथा इनका जन्म और प्रारम्भिक शिक्षा झारखंड के रामगढ़ में हुई है। १९९९ से आप सिंगापुर के नागरिक हैं, तथापि अपनी जन्मभूमि रामगढ़ से पूर्ववत लगाव है एवं अपने परिवार एवं मित्रों से निरंतर संपर्क में रहते है। युवावस्था से ही उनकी सामाजिक कार्यों में रुचि रही है, जो सिंगापुर में परवान चढ़ी। उन्होंने वहाँ २००६ में बिहार-झारखंड के प्रवासियों के संगठन 'बिझार' की स्थापना की जो आज एक सक्रिय संगठन है। वे सिंगापुर के शीर्ष मारवाड़ी संगठन 'मारवाड़ी मित्र मंडल' के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। सिंगापुर में उन्होंने सामुदायिक स्तर पर विभिन्न समुदायों के बीच कई ज़िम्मेदारी के पदों पर कार्य करते हुए एकीकरण (इंटेग्रेशन) के क्षेत्र में बहुत काम किया है। पिछले कई वर्षों से 'वर्ल्डवाइड फ़ंड फ़ॉर नेचर' की पर्यावरण जागरूकता के लिए 'अर्थ आवर' के आयोजन में कुशल नेतृत्व हेतु इन्हें पुरस्कृत किया गया। इनके ही नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए की गई सामुदायिक पहल के लिए २०१७ में सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सियन लूंग के हाथों मिला पुरस्कार उल्लेखनीय है। **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार श्री प्रकाश हेतमसरिया की गरिमामयी उपलब्धियों हेतु हार्दिक बधाइयाँ देते हुए, उनकी उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलकामना करता है!**

राष्ट्र की प्रगति ही हमारा लक्ष्य : गोवर्धन गाड़ोदिया

'स्वतंत्रता दिवस अपने उन वीर पूर्वजो का स्मरण तथा नमन करने एवं अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। स्वतंत्रता-संग्राम में मारवाड़ी समाज की गरिमामयी भूमिका हमारे लिए सदैव गर्व का विषय रहेगी।' ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने देश के ७५वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित बैठक में व्यक्त किए। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि सम्मेलन का ध्येयवाक्य है **'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'** और सम्मेलन का हर कार्यक्रम राष्ट्रनिर्माण की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को समाज का दर्पण बनना चाहिए। देश की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करते हुए श्री गाड़ोदिया ने कहा कि कई बार कानून की जटिलताएँ भी प्रगति के कदम रोकती हैं। कानून सदैव व्यवहारिकता को ध्यान में रखते हुए बनाये जाने चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अन्तर्गत सर्वप्रथम सम्मेलन के प्रशासनिक कार्यालय भवन (डकबैक हाउस, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) के परिसर में उपस्थित पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने राष्ट्रीय ध्वजोत्तोलन किया, राष्ट्रगान हुआ और उसके बाद सम्मेलन सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के समक्ष प्रारम्भ में अपनी स्वतंत्रता और लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखना एक चुनौती थी, जिस पर हम बिल्कुल खरे उतरे हैं। आजादी के बाद देश का सर्वांगीण विकास भी हुआ है, लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी है। श्री सराफ ने सबसे कोरोना-पीड़ितों तथा संसाधनहीन लोगों का यथासम्भव सहयोग करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वर्तमान समय में यही सबसे बड़ धर्म है। उन्होंने कहा कि कोरोना से लड़ाई में टीकाकरण का कोई विकल्प नहीं है, हम सबको तत्परता से टीकाकरण करवाना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विजय कुमार लोहिया** ने सभी को बधाइयाँ दी और दक्षिण भारत में सम्मेलन के संगठन की प्रगति के विषय में बताया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका** ने संगठन के महत्व पर बल दिया और तारकेश्वर में प्रारम्भ किए गए सम्मेलन के अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री रतनलाल शाह** ने स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्र का सबसे बड़ा त्यौहार बताया। उन्होंने कहा कि मायड़भाषा राजस्थानी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करवाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सम्मेलन के मुखपत्र 'समाज विकास' के सम्पादक **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि समाज के लिए कार्य करने वालों के अवदानों को परिचिति अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह परिचिति दूसरों के लिए उत्प्रेरक का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता के साथ दायित्व भी आते हैं और हम सभी को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझकर अपनी भूमिका स्थिर करनी चाहिए और उसे निभाने का यथासम्भव प्रयास चाहिए। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने प्रादेशिक सम्मेलन द्वारा चलाये जा रहे टीकाकरण अभियान के विषय में बताया और सभी से इसमें सहयोग और इसका लाभ उठाने का अनुरोध किया। **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने अपनी सभ्यता-संस्कृति, परम्पराओं और इतिहास की जानकारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इतिहास भूल जाने से भूगोल गड़बड़ हो जाता है।

बैठक का संचालन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में यथासम्भव योगदान हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों का भी ध्यान रखना होगा। राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। समारोह में संयुक्त महामंत्री **श्री सुदेश अग्रवाल**, कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, पूर्व कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी, आत्माराम सोन्थलिया, डॉ. जुगल किशोर सर्राफ, सर्वश्री आनन्द कुमार अग्रवाल, दिनेश जैन, पवन जालान, रतनलाल अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, अरुण प्रकाश मल्लावत, सुरेश अग्रवाल, किशन किला, दिनेश अग्रवाल, संजय शर्मा, ओम प्रकाश झंवर, शम्भु मोदी, सतीश अग्रवाल, रतनलाल बंका, अजय गुप्ता, निकुंज लोहिया, ऋषभ अग्रवाल** सहित समाज के गणमान्य सज्जन उपस्थित थे।

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:
Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:
Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:
Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:
6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:
Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

जिंदगी हादसों, इत्तफाकों और किस्मत का सिलसिला : सीताराम शर्मा

'आत्मजीवनी लिखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि शब्द बता देते है कि लेखक ने कितनी ईमानदारी और निष्पक्षता का परिचय दिया है। ...मेरे भी कुछ बंधन रहे हैं। मैं स्वयं अपनी पुस्तक का विषय हूँ। चाह कर भी मैं अपने आप को आपादमस्तक एकदम नग्न उपस्थित नहीं कर सकता था। ...एक दिन अपनी जिंदगी के सभी पत्ते आपकी आँखों के सामने होंगे, बस वे पढ़ने लायक हों, यह आप पर निर्भर करता है।' ये उद्‌गार हैं – अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** के जो अपनी ७५वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आयोजित अभिनंदन समारोह में अपनी प्रकाशनाधीन आत्मजीवनी '**जीवन के मोड़**' के कुछ अंशों का वाचन कर रहे थे। समारोह का आयोजन सम्मेलन के केन्द्रीय सभागार में तथा वीडियो कांफ्रेंस, दोनों माध्यमों से, **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, वेस्ट बंगाल फेडरेशन आफ यू.एन. एसोसियेशन्स** एवं **फ्रैंड्स आफ विक्टोरिया मेमोरियल** के संयुक्त तत्वावधान में गत १३ अगस्त २०२१ को आयोजित किया गया।

समारोह के आरम्भ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने, सभागार में उपस्थित तथा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े, सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि श्री सीताराम शर्मा सम्मेलन ही नहीं, पूरे समाज के लिये प्रेरक और पथ-प्रदर्शक तथा निःस्वार्थ सेवा की भावना का जीवित प्रमाण हैं। श्री गाड़ोदिया ने साथी पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों के साथ पुष्प-गुच्छ, शॉल, अंगवस्त्र, पगड़ी आदि देकर श्री शर्मा का अभिनंदन किया और उनके हाथों केक भी कटवाया।

अभिनंदन समारोह को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने कहा कि श्री सीताराम शर्मा में लोगों को अपना बनाने की अद्‌भुत क्षमता है। कुछ वर्षों में ही हम कैसे भाई की नजदीकी महसूस करने लगे, पता ही नहीं चला। उन्होंने कहा कि श्री शर्मा का व्यक्तित्व बहुआयामी है, वे एक लेखक-विचारक तो हैं ही, साथ ही एक ओजस्वी वक्ता भी हैं जो एक दुर्लभ संयोग है। श्री रुँगटा ने कहा कि सीताराम जी सम्मेलन के 'इंसाइक्लोपीडिआ' हैं और सम्मेलन जिस मुकाम पर है उसमें इनका अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि श्री शर्मा ने अपने सामाजिक दायित्वों के साथ-साथ अपने पारिवारिक दायित्व भी बखूबी निभाये हैं।

वेस्ट बंगाल फेडरेशन आफ यू.एन. एसोसियेशन्स के महासचिव **श्री राजीव माहेश्वरी** ने कहा कि मेरा तो इनसे प्रायः बचपन से ही परिचय रहा है। इनके साथ काम करने और सीखने का अवसर मिला है, अभी भी कर रहा हूँ और इनकी खूबियों को बहुत नजदीक से देखा है। उन्होंने कहा कि श्री शर्मा के नेतृत्व में मुश्किल काम भी आसान हो जाते हैं। इनका मार्गदर्शन हमें सदैव सही रास्ता दिखाता है।

फ्रैंड्स आफ विक्टोरिया मेमोरियल के अध्यक्ष **श्री शिव कुमार अग्रवाल** ने कहा कि श्री शर्मा हृदय से उदार, चयन से लेखक, परम्परा से व्यापारी, शौक से राजनीतिक एवं प्राकृतिक रूप से खूबसूरत एवं युवाहृदय हैं। इनके जीवन का हर एक पन्ना मुझे चौंकाता है, इनकी उपलब्धियाँ असीमित हैं। उन्होंने कहा कि राजनैतिक, सामाजिक या आर्थिक, सभी विषयों पर उनके निश्चय और आस्था दृढ़ तथा परिप्रेक्ष्य स्पष्ट होते हैं। श्री शर्मा की तार्किकता और प्रेरक वक्तृत्व विपरीत विचारधारा वालों को भी सहमत कर लेते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि पुरानी शराब की तरह श्री शर्मा अपनी उम्र के साथ-साथ और बेहतर होते जा रहे हैं।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार** एवं **श्री संतोष सराफ**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका**, समाज सुधार कमेटी के चेयरमैन **डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**, उद्योगपति–समाजसेवी **श्री रघुनन्दन मोदी** ने भी श्री शर्मा को बधाई दी और उनसे जुड़े अपने अनुभव बताये। सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि सीतारामजी तो मेरे पिता के मित्र रहे हैं, उन्होंने मुझे परिवार ही समझा है, मैंने बहुत कुछ सीखा है इनसे। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने धन्यवाद–ज्ञापन करते हुए कहा कि इन आठ-दस वर्षों के परिचय में मुझे इनसे घनिष्ठता के साथ बहुत कुछ मिला है। इनका जीवन इतना विस्तृत है कि वह निश्चित रूप से आत्मजीवनी के इन कुछ पन्नों में नहीं समाया होगा।

समारोह में पूर्व वायुसेनाध्यक्ष **एयर चीफ मार्शल अरूप राहा**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसन्त मित्तल**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नन्दकिशोर अग्रवाल**, कर्नाटक सम्मेलन के अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल**, सर्वश्री **रतनलाल शाह, आत्माराम सोन्थलिया, नन्द गोपाल खेतान, जे.के. झंवर, डॉ. हरिवंश चतुर्वेदी, शिव कुमार लोहिया, कैलाशपति तोदी, के.के. सिंघानिया, हरिप्रसाद बुधिया, जयप्रकाश सेठिया, रतनलाल अग्रवाल, प्रेमचंद सुरेलिया, प्रयागराज बंसल, विजय वाधवा, पवन जालान, ओमप्रकाश टिबड़ेवाल, अरुण प्रकाश मल्लावत, कमल सिंह, आशीष बजाज, विश्वनाथ सराफ, शिव रतन अग्रवाल, बी.एल. शर्मा, जयन्त चटर्जी, नीलमणि राठी, राम बिलास शर्मा, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्रीमती उर्मिला दिनोदिया** सहित पूरे भारत से सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों ने भाग लिया।

श्री सीताराम शर्मा द्वारा उनकी आत्मकथा 'जीवन के मोड़' के अंशों के वाचन से कुछ उद्धरण

मैं यह जानता हूँ कि आत्म-जीवनी में अपने विषय में पूरा सच लिखना सम्भव नहीं है। ... मेरे जीवन में ऐसा क्या रखा है कि मैं अपनी आत्मजीवनी लिख रहा हूँ। क्यों लिख रहा हूँ, किसके लिये लिख रहा हूँ, क्या उद्देश्य है? ...मेरा जीवन एक साधारण सौभाग्यशाली व्यक्ति जैसा रहा है, प्रसन्नता भरा। मुझे पुनर्जीवन प्राप्त हो तो मैं यही जीवन जीने की कामना करूँगा, सब त्रुटियों, कमियों, बुराईयों, खामियों, भूलों और पछतावों के साथ।

अतीत के विषय में मुझे किसी प्रकार का दुःख, रोष, असंतोष, पश्चाताप नहीं है। माता-पिता के आशीर्वाद से बहुत पाया हैं – मान-सम्मान, धन-वैभव, सफलता एवं सर्वोपरि पारिवारिक सुख एवं प्यार। भविष्य के लिये कोई खास इच्छा, तृष्णा तथा अभिलाषा या लालसा नहीं है। ऐसे भी केवल उद्योग-व्यापार करना, धन कमाना ही मेरी जिंदगी का एकमात्र लक्ष्य नहीं रहा है। हालाँकि महालक्ष्मी की कृपा रही। माँ सरस्वती का वरदान मेरे लिये सबसे सुखदायक था – लिखना-पढ़ना ही मेरे जीवन के सबसे प्रेरणादायक अंग रहे हैं। लेखन में मान्यता तथा सामाजिक एवं अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में गौरव एवं उपलब्धियों ने मेरे जीवन को सफल एवं सार्थक बनाया है, मुझे हार्दिक संतोष प्रदान किया है। **खाहिश नहीं मुझे मशहूर होने की, आप मुझे पहचानते हो बस इतना ही काफी है।**

मैने नई दुनिया की खोज में यात्रा आरम्भ की थी, वह यात्रा अभी भी अधूरी है। ...मैं अपने बारे में एकदम स्पष्ट नहीं बन पाया हूँ। जीवन की पूरी सच्चाई भी नहीं रख पाया हूँ, हालाँकि नकारात्मक पहलुओं को उजागर करने से परहेज नहीं किया है। गलतियों और असफलताओं को भी शामिल किया है। सच छिपाया भले ही हो लेकिन जो लिखा है वह सच के सिवा कुछ नहीं है। अगर सब कुछ बेबाकी और स्पष्ट रूप से कहने की हिम्मत जुटा पाया तो कभी 'पूरा सच' भी लिखने की इच्छा है।

मेरे सक्रिय सामाजिक–राजनीतिक जीवन के इन साठ वर्षों में देश–दुनिया बड़ी तेजी से बदली है। १९६० का विश्व एवं २०२१ का विश्व बहुत भिन्न है। ...देश में चमत्कारिक परिवर्तन घटे हैं – कुछ शुभ, कुछ अशुभ। ...देश की राजनीति में भारी गिरावट आई है, राजनीति अब एक मिशन नहीं, व्यवसाय हो गया है। ...देश का निर्माण हुआ है, लेकिन चरित्र-निर्माण नहीं। धार्मिक अनुष्ठान बढ़े हैं, लेकिन धार्मिक आस्था नहीं। ...मर्यादा पुरुषोत्तम राम के देश में सभी मर्यादाएँ टूट रही हैं। ...एक ऐसी सोच जन्म ले रही है, विकसित हो रही है जो परमार्थ की जगह स्वार्थ पर, सर्वजन हिताय के बजाय स्व-हिताय पर आधारित है, स्व–केन्द्रित है। मैंने पिछले साठ वर्षों में इस बदलती दुनिया को बहुत नजदीक से देखा, समझा और भोगा है। रिश्तों, सम्बंधों एवं भावनाओं की पहले की दुनिया की बजाय, आज यह दुनिया नकली, निर्दयी एवं निष्ठुर लगती है। कहा थी वह दुनिया, क्या है यह दुनिया?

जिंदगी बिरले ही कभी सीधी लकीर होती है, इसमें उतार-चढ़ाव और मोड़ आते हैं और उनमें से कई हमें चौंकाते हुए अचानक आते हैं। और कभी-कभी ये मोड़ जिंदगी बदल देने वाले लम्हे बन जाते हैं। ...मैं उन बच्चों में नहीं था जो जिंदगी में जल्द ही जान जाते हैं कि वे क्या चाहते हैं, जीवन में क्या बनना चाहते हैं। मैं तो उस पीढ़ी का युवा था जो अपने माता-पिता की बात मानता था, खासकर जब आपकी कोई खास महत्वाकांक्षा नहीं होती। या नियति में विश्वास करते हैं, यानी इस बात में कि सब कुछ पहले से तय हैं।

जिंदगी असल में हादसों, इत्तफाकों और अक्सर किस्मत का सिलसिला होता है, कम से कम मेरे मामले में तो इसी तरह हुआ। ...**'मेरी जिंदगी में कई समस्याएँ रही, लेकिन मेरे होंठ यह नहीं जानते, वे सदैव मुस्कुराते रहे।'**

आज मुझे अपना यहाँ होना सपने की तरह लगता है। तो, मैं यहाँ हूँ और अपनी आत्म–जीवनी लिख रहा हूँ, हालाँकि मेरे पास सुनाने-लिखने के लिए कोई एक ऐसी शानदार कहानी नहीं है। ...जैसे परम पावन दलाई लामा कहते हैं – "कभी-कभी आप जो चाहते हैं उसका नहीं मिलना भी किस्मत की अनोखी कारीगरी होती है।" मेरी जीवनयात्रा को भी मैं किस्मत की अनोखी कारीगरी ही मानता हूँ।

जब मैं अपने निजी विकास पर विचार करता हूँ तो उस बड़े होते सीधे–सादे लड़के जो मैं था और उस शख्स में जो मैं आज हूँ, हर लिहाज से बड़ा फर्क है। मुझमें आत्मविश्वास की बेहद कमी थी और सामाजिक तौर पर मैं अनाड़ी था। आज पीछे मुड़कर देखने पर मुझे अपने कुछ फैसले बावले दिखाई देते हैं।

मैं बेहत खुशकिस्मत था कि मेरे ज्यादातर करम मुझे सही जगहों और सही लोगों तक ले गये ...जिन्होंने मुझे कुछ अलग से करने के लिये विवश या प्रेरित किया, जिसने मुझे एक अलग स्थान दिया, अलग शख्सियत दी, अलग पहचान दी, अलग नाम दिया। मैं कभी भी किसी महानता के मुगालते में नहीं रहा हूँ। ...**'अगर आप किसी और के लिये दीया जलाते हो, तो वह आपका रास्ता भी रोशन करता है।'**

कभी–कभी मुझे आज भी लगता है कि मैं सामान्य बचपन की बचकानी और जवानी के अल्हड़ एवं मस्ती भरे दिनों को कभी जी ही नहीं पाया। उस कमी की मन में कचोट आज भी है। मैं अपनी उम्र से सदा बड़ा होकर ही जीया। मेरा सामाजिक जीवन जिसने हालाँकि मुझे बहुत कुछ दिया, इसके लिये जिम्मेदार था। १६ वर्ष की उम्र में मेरे जीवन में खेलकूद, उठापटक, मारपीट, मस्ती, छेड़खानी की जगह बैठक–सभाओं, भाषणों–विचारगोष्ठियों, गंभीर–लेखन एवं पठन–पाठन ने ले ली थी।

२० वर्ष की आयु तक तो मैं एक साप्ताहिक पत्रिका का उप-संपादक बन गया था। ऐसे माहौल में मुझे मेरे स्कूली एवं कॉलेज के सहपाठियों के हँसी–मजाक, खोखली बातें, छेड़–छाड़ आदि सब छिछोरापन एवं वाहियात लगता था ...जबकि इस उम्र में यह सब स्वाभाविक होता है और उसका मजा कुछ और ही होता है। यह उम्र जीवन में दोबारा नहीं आती। मुझे इसका कभी–कभी बड़ा अफसोस होता है।

मेरी सोच है कि अगर आप समर्थ हैं तो आपका पहला दायित्व अपने वृहत्तर परिवार, भाई–बहन, भतीजे–भतीजियाँ,

भाँजे-भाँजियों आदि के प्रति होता है, उसके बाद समाज के प्रति। मुझे बड़ कष्ट होता है जब मैं देखता हूँ कि कतिपय सामर्थ्यवान व्यक्ति खोखली प्रतिष्ठा के लिये सामाजिक–धार्मिक अनुष्ठानों में लाखों रुपये दान देते हैं, जबकि उनके नजदीकी परिवार के सदस्य पढ़ाई, विवाह या बीमारी के ईलाज के लिये आर्थिक संकट से जूझ रहे होते हैं।

मैंने जीवन में मित्रता को बड़ा महत्व दिया है। ...जीवन में एक मित्र श्रीकृष्ण जैसा होना चाहिये जो तुम्हारे लिये युद्ध भले ही न लड़े पर सच्चा मार्गदर्शन दिखाता रहे और एक दोस्त कर्ण जैसा भी जरूर होना चाहिये, जो तुम्हारे गलत होते हुए भी तुम्हारे लिये युद्ध करे, तुम्हारा साथ निभाए। ...**रिश्ते कभी जिंदगी के साथ नहीं चलते, रिश्ते एक बार बनते हैं, फिर जिंदगी रिश्तों के साथ–साथ चलती है।**

किसी ने सही कहा है "**दोस्त परिवार हैं जिन्हें हम चुनते हैं।**" सच्चे दोस्त भगवान का आशीर्वाद हैं। जो लोग दोस्तों से घिरे रहते हैं, वे भावनात्मक रूप से मजबूत होते हैं। सच्चे दोस्त आपके परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। वे व्यक्ति जिनके पास अच्छे मित्र हैं, ज्यादा खुश रहते हैं। मैं भाग्यशाली हूँ कि मुझे जीवन के हर पड़ाव पर ऐसे मित्र मिले हैं जो वाकई अद्‌भुत हैं। वे मेरी ताकत के स्तम्भ हैं। उनके बिना मेरी जिंदगी बेहद उबाऊ, उदासी भरी और बेमजा है, लेकिन सचमुच, **उत्कृष्ट मित्र ढूँढ़ना मुश्किल है, मिल जाये तो छोड़ना मुश्किल और छोड़ दें तो भूलना नामुमकिन है।**

मैंने जीवन में किसी काम को बड़ा–छोटा नहीं समझा या ये कि पैसा कम या ज्यादा होने से कोई छोटा या बड़ा होता है। मैं प्रत्येक व्यक्ति की उसके गुणों के लिये इज्जत करता हूँ, लेकिन अवगुणों के लिये बुराई भी कर देता हूँ। ...हालाँकि मैं जानता हूँ कि व्यवहारिकता के नाते न तो यह उचित है और न ही वांछित, लेकिन जो कहता हूँ वह बिना किसी पूर्वाग्रह के, बेबाक। लेकिन इसको मैं अपने ऊपर हावी नहीं होने देता कि उनसे फिर बात नहीं की या उनके दूसरे गुणों को स्वीकार नहीं किया। मैं कभी द्वेष नहीं पालता, बिना कारण या बिना सोचे–समझे किसी की आलोचना नहीं करता। साथ–साथ गलत बात और व्यवहार को बर्दाश्त भी नहीं करता। कभी–कभी आपे से बाहर हो जाता हूँ, लेकिन अगर किसी के द्वारा मेरी आलोचना में मुझे सार दिखता है, सच्चाई दिखती है तो गलती भी स्वीकार कर लेता हूँ। '**नरम लफ्जों से भी लग जाती है चोटें अक्सर / रिश्ते निभाना बड़ा नाजुक सा हुनर होता है।**'

मैं बौद्धिक श्रेष्ठता, ज्ञान एवं उम्र के प्रति सदा नत रहता हूँ। मुझे यह स्वीकार करने में कोई परहेज या हिचक नहीं है कि तथाकथित पैसेवालों के विषय में मैं किसी पूर्वाग्रह से ग्रस्त रहा हूँ। कई बार मेरी यह प्रवृति औचित्य एवं मर्यादा की सीमा का भी उल्लंघन कर जाती है। ऐसी मानसिक स्थिति का मेरी समझ में सभी बुद्धिजीवियों, साहित्य, कला, संस्कृति से जुड़े व्यक्तियों को सामना करना पड़ता है, जब वे देखते हैं कि सब कुछ नफा–नुकसान की तराजू में तौला जाता है। पढ़ने–लिखने वालों व्यक्तियों का इस सोच से निकलता कठिन होता है। मैं स्वयं इस खोच से ग्रसित रहा हूँ। एक व्यापारी का बेटा हूँ इसलिये व्यापार खून में है तथापि दृष्टि व्यापारिक नहीं है।

मारवाड़ी सम्मेलन के साथ सक्रियता के ३० वर्षों से भी अधिक के सम्बंधों में कई खट्टे-मीठे एवं रोचक अनुभव हुए। व्यक्तिगत रिश्तों के महत्व के साथ–साथ इन रिश्तों की व्यर्थता को भी जाना। समाज की आशाओं, अपेक्षाओं के साथ–साथ समाज की निराशा एवं हताशा को भी समझा। सामाजिक नेतृत्व की शक्ति एवं संभावनाओं से परिचय हुआ तो उसकी अकर्मण्यता एवं असफलता का भी चेहरा सामने आया।

जिंदगी एक यात्रा है। केवल एक समस्या है, यह नक्शों के साथ नहीं आती, हमें अपने रास्ते स्वयं खोजने पड़ते हैं, मंजिल तक पहुँचने के लिये। जीवन के अनेक रूप हैं। बुद्धिमान के लिये जीवन एक सपना है जबकि मूर्ख के लिये एक खेल, धनी के लिये अगर यह 'कॉमेडी' है तो गरीब के लिये एक 'ट्रैजेडी'। यह विचित्र किन्तु सत्य है कि जिंदगी के सबसे अहम निर्णायक मोड़ अक्सर उस वक्त और उन तरीकों से आते हैं जिनकी हमें जरा भी उम्मीद नहीं होती। मेरी जिंदगी को बदलने वाला क्षण तब आया जब मैं १९६२ में १६ वर्ष की अल्प आयु में 'बाल परिषद' और 'स्टडी ग्रुप' नामक कलकत्ता शहर की बुद्धिजीवियों की संस्था से जुड़ा। यही मेरी जिंदगी का पहला निर्णायक मोड़ साबित हुआ। यही जीवन बदल देने वाला लम्हा बन गया। हालाँकि दूसरे छोटे–मोटे निर्णायक मोड़ भी आये।

आरम्भ के सामाजिक एवं पत्रकारिता के सैद्धान्तिक जीवन के चलते कई आदर्शों एवं सिद्धांतों ने दिल पर एक गहरा छाप छोड़ रखा था, जिनके चलते मैं कभी मेरे युवा जीवन में भी गलत रास्ते पर नहीं गया। उन दिनों देश के बड़े नेताओं–लोगों से मिलने–सुनने का अवसर प्राप्त होता था। कहीं ना कहीं उनकी बातों का प्रभाव भी पड़ता था। पत्रकारिता भी हमारे लिये एक नये समाज की सृष्टि, एक नई दुनिया बनाने और दुनिया बदलने की मुहिम भी, इसलिये मन भी इन्हीं विचारों से प्रेरित होता था। १४-१५ वर्ष की उम्र में बचपना था, जीवन एक स्वप्न के समान था। दुनिया की सच्चाई से कोई सामना नहीं हुआ था। जहाँ कहीं गलत या पाप या भ्रष्टाचार दिखाई देता, वहीं विरोध करते थे। दुनिया बदलने का नशा था। राजनेता हमारे लिये महापुरुष थे, प्रेरक थे। इसी दौर में कुछ आदर्श एवं सिद्धांतों ने जीवन में घर बना लिया था। इन सबका मेरे जीवन पर बड़ा प्रभाव पड़ा, जिसने मुझे एक बेहतर इन्सान बनाया, आत्मनिर्भर एवं स्वाभिमानी बनाया। मुझे दुनिया का सामना करने की मजबूती और हिम्मत दी, ताकत दी। शीर्षस्थ एवं सफल व्यक्तियों के सम्पर्क ने मुझे विनम्र, व्यवहार–कुशल, धीर–गम्भीर, आत्म–संतोषी एवं धैर्यवान भी बनाया। इन्हीं प्रभावों के कारण मैंने १६-१७ वर्ष की आयु में अपने पिता को एक पत्र लिखकर घर परिवार की सभी जिम्मेवारी सँभालने का आश्वासन देते हुए अपने कर्तव्यबोध का परिचय दिया।

मेरे व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक जीवन पर भी इस आदर्श एवं सिद्धांतों ने गहरा प्रभाव छोड़ा। मेरे जीवन में लिये गये कई निर्णय जो मेरी समझ में सही एवं मेरे आदर्शों के अनुकूल थे, वे मेरे कई मित्रों एवं रिश्तेदारों की नजर में मूर्खतापूर्ण थे।

मन की सादगी, ईमानदारी और सबसे बड़ी बात आदमी को आदमी के रूप में महत्व देना, जो मेरी सोच रही है, आज की दुनिया की बातें नहीं हैं। जैसा स्वामी विवेकानन्द ने कहा है – "सुंदरता दिल में होती है, चेहरे पर नहीं।" **भावुक लोग सम्बंध को सँभालते हैं / व्यावहारिक लोग सम्बंध का फायदा उठाते हैं / और व्यवसायिक लोग फायदा देखकर ही सम्बंध बनाते हैं। परन्तु जैसा कहा गया है, 'उड़ने दो मिट्टी को कहाँ तक उड़ेगी / साथ छूटेगा हवा का तो फिर जमीन पर आ गिरेगी।'** मैं तो महात्मा बुद्ध की इस उक्ति में विश्वास रखता हूँ – "**एक दिन तुम कुछ लोगों के लिये सिर्फ एक याद्दाश्त बन कर रह जाओगे, प्रयास करो वह एक अच्छी याद हो।**"

अपनी संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन हमारा दायित्व : गोवर्धन गाड़ोदिया

'मारवाड़ी समाज की संस्कृति अत्यंत समृद्ध है और हमारा इतिहास और परम्पराएँ गौरवमयी हैं। हम सभी का कर्त्तव्य है कि अपनी सभ्यता-संस्कृति और भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के हर सम्भव प्रयास करें।' ये उद्‌गार हैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** के जो उन्होंने गत १४ अगस्त २०२१ को हरियाली तीज के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में व्यक्त किए। शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम जूम पर और ओंकार टीवी चैनल पर भी लाईव प्रसारित किया गया। **श्री गाड़ोदिया ने कहा कि अपनी सभ्यता-संस्कृति के सम्बंध में पूरे समाज, विशेषकर युवक-युवतियों तथा किशोर-किशोरियों, को सजग-सचेत रखना सम्मेलन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है।**

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने सभी को हरियाली तीज की बधाई दी और सुहागिनों को सफल दाम्पत्य जीवन तथा किशोरियों के मनवांछित वर पाने की मंगलकामना की।

सांस्कृतिक संध्या में (बायें से) सर्वश्री बसन्त मित्तल, विजय लोहिया, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, संजय हरलालका, प्रह्लाद राय गोयनका एवं कैलाशपति तोदी।

कार्यक्रम का संयोजन करते हुए सम्मेलन की संस्कार-संस्कृति चेतना समिति के चेयरमैन **श्री प्रह्लाद राय गोयनका** ने हरियाली तीज की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों के विषय में बताया और कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि इस प्रकार के कार्यक्रम अनवरत आयोजित किए जाते रहें ताकि समाज की भावी पीढ़ी भी अपनी समृद्ध संस्कृति की झलकियाँ पाती रहे।

कार्यक्रम में सुविख्यात गायिका **श्रीमती मारुति मोहता** ने मनभावन राजस्थानी गीतों की ससंगीत प्रस्तुति की और पूरे समय तक सभी दर्शकों-श्रोताओं को झुमाते रखा।

आई-आई सावन आली तीज, चलो रे सखी बागां मां; केसरिया बालम आओ रे पधारो म्हारे देस; चम-चम चमके चुनड़ी बणजारां रे, कोई थोड़ो से म्हारे सन झांक रे बिणजारो; झूला झन-झन-झन झूले रे, बैठ कदम की डाल कान्हा मन में फूले रे; थाने काजलिया बणा लूं; पल्लू लटके; लेता जैजोरे... जैसे सामयिक गीतों ने सबको आनंदविभोर रखा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर उन्होंने कुछ देशप्रेम के गीत भी सुनाये और राष्ट्र की स्वतंत्रता में मारवाड़ियों के बलिदान की याद दिलाई।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम ही हमें तथा आनेवाले पीढ़ियों को मारवाड़ की संस्कृति, पहनावे, गीत-संगीत से जोड़े रखेंगे। समारोह में सम्मेलन के उपाध्यक्षगण श्री विजय कुमार लोहिया एवं श्री पवन गोयनका, संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल, निवर्तमान कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल, कर्नाटक सम्मेलन के महासचिव श्री शिव टेकरीवाल, सर्वश्री पवन जालान, राजकुमार तिवाड़ी, रतनलाल शाह, सन्दीप गर्ग, शिव रतन फोगला, अनिल अग्रवाल, अरुण प्रकाश मल्लावत, अशोक पुरोहित, बंशीधर शर्मा, वेणीगोपाल भरदिया, सर्वश्रीमती/सुश्री सुषमा अग्रवाल, सुनीता लोहिया, गुलाब बैद, वीणा अग्रवाल, इन्दु चाण्डक, कविता जाखोटिया, कुमकुम राठी, लक्ष्मी मूँधड़ा, निर्मला गोयनका, पुष्पा जाखोटिया, सरोज चमड़िया, सरोज पसीचिया, सुधा सराफ, सुशीला सोमानी, सुषमा सदानी, उर्मिला दिनोदिया, शारदा बुद्धा सहित पूरे देश से लोग शामिल हुए।

समाचार सार

प्रेमशंकर त्रिपाठी कुमारसभा पुस्तकालय के अध्यक्ष पुनर्निवाचित

गत २१ अगस्त २०२१ को कोलकाता महानगर की सुविख्यात साहित्यिक संस्था श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की वार्षिक साधारण सभा में वर्ष २०२१-२२ के लिए नई कार्यसमिति का चुनाव सम्पन्न हुआ जिसमें **डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी** को पुस्तकालय का अध्यक्ष पुनर्निवाचित किया गया। सर्वसम्मति से **श्री भगीरथ चांडक** एवं **श्री नंदलाल लढ़ा उपसभापति, श्री महावीर प्रसाद बजाज मंत्री, श्री सत्यप्रकाश राय** तथा **श्री मनोज काकड़ा उपमंत्री, श्री अरुण प्रकाश मल्लावत अर्थमंत्री** और **श्री बंशीधर शर्मा साहित्य मंत्री** निर्वाचित हुए।

डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी

कर्नाटक सम्मेलन की कार्यकारिणी का गठन

गत १३ अगस्त २०२१ को कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों की एक बैठक बेंगलुरु-स्थित यूनिटी बिल्डिंग में, प्रादेशिक अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल** के सभापतित्व में, आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से सत्र २०२१-२३ हेतु कर्नाटक सम्मेलन की कार्यकारिणी का गठन किया गया, जो निम्नवत है।

प्रादेशिक उपाध्यक्ष	:	श्री एस. के. मित्ताल (मैसुरु)
		श्री रमेश भाऊवाला (बेंगलुरु)
		श्री ओ. पी. पोद्दार (बेंगलुरु)
प्रादेशिक महामंत्री	:	श्री शिवकुमार टेकरीवाल (बेंगलुरु)
प्रादेशिक कोषाध्यक्ष	:	श्री सुरेश जालान (बेंगलुरु)
संयुक्त महामंत्री	:	श्री संजय चौधरी (बेंगलुरु)

सर्वश्री गंगाधर मोर, प्रदीप चौधरी, राजेन्द्र बजाज, आनन्द अग्रवाल, सुनील अग्रवाल (चीनी वाला), प्रकाश चौधरी एवं देवेन्द्र गौड़ कार्यकारिणी समिति के सदस्य होंगे। डॉ. सुभाष अग्रवाल ने बताया कि विशिष्ट आमंत्रित सदस्यों में प्रदेश के जिला सम्मेलनों के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल रहेंगे।

(बाएँ से) सर्वश्री ओ.पी. पोद्दार, डॉ. सुभाष अग्रवाल, शिव कुमार टेकरीवाल एवं सुरेश जालान।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

झारखंड सम्मेलन : अगस्त २०२१ की गतिविधियाँ

१ अगस्त को धनबाद जिला द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रान्तीय समिति का भी सम्मान किया गया।

१ अगस्त को ही बोकारो जिला का दौरा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रान्तीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

८ अगस्त को पूर्वी सिंहभूम जिले द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रान्तीय समिति को भी सम्मानित किया गया।

८ अगस्त को ही पूर्वी सिंहभूम जिला का दौरा किया गया। जिसमें जिला द्वारा 'जिला प्रवाह' का विमोचन प्रान्तीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

११ अगस्त को झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा कोविड टीकाकरण का आयोजन किया गया।

११ अगस्त को बोकारो जिला द्वारा दिहाड़ी मजदूरों के बीच साबुन एवं धार्मिक पुस्तक का वितरण किया गया।

पूर्वी सिंहभूम जिले द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में वृक्षों को राखी बाँध बचाने का प्रण लिया। उनके द्वारा एक दिव्यांग बच्चे को एक व्हील चेयर का सहयोग किया गया।

१५ अगस्त को प्रांतीय कार्यालय में प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल द्वारा झंडोतोलन किया गया। गुमला, देवघर, धनबाद, गिरिडीह, दुमका आदि में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। पूर्वी सिंहभूम जिले द्वारा बाराद्वारी गांधी आश्रम में बच्चों को बिस्कुट, नास्ता, फ्रूटी, चॉकलेट आदि का वितरण किया गया।

१७ अगस्त को बोकारो जिले द्वारा ६५० लोगों को खिचड़ी महाभोग का वितरण किया गया।

२० अगस्त को राँची जिले द्वारा कोविड टीकाकरण का आयोजन किया गया जिसमें १५० लोगों को टीका दिया गया।

२० अगस्त को धनबाद जिले द्वारा बस्ताकोला गौशाला में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आध्यात्मिक राष्ट्रवाद

– आलोक तुलस्यान

१५ अगस्त, श्री अरविन्द का जन्मदिन और अपने राष्ट्र भारत का स्वतंत्रता दिवस आज और कल के भारत के लिए आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के श्री अरविन्द के दृष्टिकोण की निरंतर प्रासंगिकता को रूपायित करने के लिए एक अच्छा दिन।

श्री अरविन्द ने राष्ट्रवाद को आध्यात्मिकता का एक तत्व प्रदान किया है। श्री अरविन्द के पास भारत को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में और विश्व समुदाय में उसके योगदान को देखने के लिए व्यापक दृष्टि थी। श्री अरविन्द ने कहा था, "राष्ट्रवाद केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। आपको याद रखना चाहिए आप ईश्वर के साधन है।"

श्री अरविन्द

अगर हम स्वयं को इधर-उधर बिखरते फिरें तो हम कुछ नहीं कर सकते। उसकी जगह होनी चाहिए तीव्र एकाग्रता ताकि आन्तरिक सत्ता तैयार होकर प्रकाश को ग्रहण करने के लिए ऊपर उठे। हम जिस अनुपात में स्थूल एवं बाहरी रूप देनेवाली गति को स्वीकारते हैं, उसी अनुपात में सूक्ष्म एवं उच्चतर क्रिया में बाधा डालते हैं और आन्तरिक उन्नति के लिए जरूरी ऊर्जा का अपव्यय करते हैं। राष्ट्र को भी अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा को सहेजकर उसका सदुपयोग करना चाहिए।

जिस प्रकार व्यक्ति के अहंकार में दोष होते हैं जबकि व्यक्ति की आत्मा दिव्य होती है, उसी प्रकार राष्ट्रीय अहंकार के अपने दुर्गुण हैं जिनसे सावधानी अनिवार्य है। राष्ट्र में आध्यात्मिक विशिष्टता को संजोकर सामाजिक स्वर-संगीत में बहुत ही सहजता से पल्लवित करते रहना चाहिए।

श्री अरविन्द ने अपनी किताब **भारत में पुनर्जन्म** में यह भी कहा कि **आध्यात्मिकता भारतीय मन की प्रधान कुँजी है** यानि भारत को बिना आध्यात्मिक हुए समझा ही नहीं जा सकता है।

श्री अरविन्द राष्ट्र को केवल मिट्टी, पहाड़, खेत या मैदान नहीं मानते थे। उन्होंने राष्ट्र को महाशक्ति से जोड़ते हुए लिखा : **राष्ट्र क्या है? मातृभूमि क्या है? राष्ट्र कोई भूमि का टुकड़ा नहीं है, न कोई मुहावरा है और न ही मन की कल्पना है। राष्ट्र तो शक्ति का साक्षात् शरीर है।** (भवानी मंदिर)

श्री अरविन्द के लिए राष्ट्रवाद का एक आध्यात्मिक उद्देश्य है – भारतीय विचार, भारतीय चरित्र, भारतीय धारणा, भारतीय ऊर्जा। उन्होंने यह भी स्पष्ट रूप में समझाया कि सनातन और शाश्वत धर्म वही है जो अन्य सभी का आलिंगन करता है, जिसके द्वारा कोई ईश्वर तक पहुँच सकता है। एक संकीर्ण, अनन्य या साम्प्रदायिक धर्म केवल सीमित समय और सीमित उद्देश्य के लिए ही जीवित रह सकता है।

अध्यात्म एक विशिष्ट भारतीय विचार है जिसे केवल कर्तव्य, धर्म, आचारसंहिता, नियम, नैतिक नियम या ऐसे अन्य अंग्रेजी भाषा के शब्दों के रूप में अनुवादित नहीं किया जा सकता है।

अध्यात्म एक आंतरिक मार्गदर्शक है जिसे व्यक्तिगत रूप से खोजा जाना चाहिए और फिर भी उस समूह, राष्ट्र, मानवता के बड़े धर्म का हिस्सा होना चाहिए, जिससे कोई संबंधित है।

आध्यात्मिकता की अवधारणा ने मूल रूप से प्रकृति, जीवन के सभी पहलुओं, सभी स्थितियों और जीवन के सभी चरणों को समाहित करते हुए अनुकूलन और समायोजन की सूक्ष्म संभावनाओं के लिए अनुमति दी। भारतीयता का अर्थ ही है – एकीकरण, समावेश और संश्लेषण।

भारत की राष्ट्रीयता है उसकी आध्यात्मिकता!

(लेखक श्री अरविन्द सोसाइटी की बिहार प्रदेश इकाई के पूर्व सचिव हैं।)

समाचार सार

किशन अग्रवाल 'पत्रकार गौरव सम्मान' से नवाजे गए

बरगढ़ (ओडिशा) के वरिष्ठ पत्रकार श्री किशन लाल अग्रवाल को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोहेला में आयोजित हॉट न्यूज २४ के वार्षिक कार्यक्रम में 'पत्रकार गौरव सम्मान' से विभूषित किया गया। सोहेला संस्कृति भवन में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रख्यात कवि **पद्मश्री हलधर नाग** ने सम्मान प्रदान किया।

श्री किशन लाल अग्रवाल गत तीन दशकों से अधिक अवधि से बरगढ़ अंचल की समस्याओं को समाचार माध्यमों से सामने ला रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री अग्रवाल उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बरगढ़ जोन के सेक्रेटरी हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार की हार्दिक बधाइयाँ!

कविता

अहम

– रतन लाल बंका
राँची, झारखंड

मन रे काहे को अहम करे
अनुपम है काहे वहम धरे

नहीं तू अजर अमर है
नहीं तू वीर समर है
धन तो कुछ प्रहर है
काया होनी जरजर है
तब रे काहे का गरूर करे
मन रे काहे को अहम करे

आया तू अकेला है
जाना भी अकेला है
रिश्ते तो झमेला है
चार दिनों का खेला है
पग रे काहे न जमीन धरे
मन रे काहे को अहम करे

नभ में कब तक रहेगा
धरती पर ही पड़ेगा
मै में कब तक रहेगा
मिलकर रहना पड़ेगा
मन रे अब क्यूँ न मनन करे
मन रे काहे को अहम करे

तू ही है सबसे बड़ा
यह सोच ही है रगड़ा
असुरों से कोन तगड़ा
पर कौन बचा है खड़ा
मन रे काहे को वहम करे
मन रे काहे को अहम करे

तू है बड़ा अभिमानी
तू समझे खुद को ग्यानी
माया नहीं पहचानी
मन तू तो है अग्यानी
अहम तेरा पुनः जनम करे
मन रे काहे को अहम करे

राग द्वेष का त्याग कर
अपनेपन का भाव धर
सबका तू सम्मान कर
परम पिता का ध्यान धर
सबसे काहे ना मिलन करे
मन रे काहे को अहम करे

ठगई किसी से मत कर
तू धन किसी का मत हर
यही आयेंगे पथ पर
मुक्ति के, बाधा बनकर
मन रे काहे ऐसे करम करे
मन रे काहे को अहम करे

दिखावा बना पाखंड
यही तेरा है घमंड
नतीजा मिलेगा दण्ड
होगा वंश खण्ड खण्ड
मन रे काहे को भरम करे
मन रे काहे को अहम करे

बाप

घोडो बण्यो गडोल्यां चाल्यो
ले बेटा नें मोरां पर।
गोडा घिस घिस घणों कमायो
खरच कर दियो छोरां पर।

खुद रे तो फाटी अंगरखी
सूट दिराया बेटा नें।
खुद चपलां सुं काम चलायो
बूंट दिराया बेटा नें।

घणों लडायो घणों पढायो
पठे चढायो घोडी पर।
पांच पांच सौ रा नोट अंवारया
बेटा बहू री जोडी पर।

थोडा दिन तो स्याणां रिया
पछै शुरु खटपट होगी।
सास भऊ में अणबणं होगी
किचकिच अर झिकझिक होगी।

टूट गयो विश्वास बाप रो
बेटो रण में कूद गयो।
कात्यो सूत कपूत निवडग्यो
मूल गियो अर सूद गयो।

छाती रे चेपर राख्या बे
मूंग दले है छाती पर।
तूं तूं पर उतर आया अर
केवणं लाग्या पांती कर।

बेटी गई पराया घर में
बेटो भी न्यारो होग्यो।
बुढापे आंख्यां सुं ओझल
आंख्यां रो नारो होग्यो।

झर झर आंसूं मां रोवे है
बाप रोवे है घुट घुट कर।
सेवा रा सपना टूट्या अर
सुख री आशा गई बिखर।

खुदरो घर खावणं नें दौडे
सन्नाटो सो गयो पसर।
कुणं समझे उणं मां रा दुख नें
बांझ रिवी बेटा जणकर।

दो पाटां विच बाप पिसीजे
छाती ने करडी कर कर।
आंसू पी पी दिन काटे है
कियां कटैली आ ऊमर।

खुद रो खून परायो होग्यो
खुद री पीड सुणावे किण नें।
मांय रोवे अर मुंडे मुलके
खुदरो दरद बतावे किणनें।

तिवाडी ढलती ऊमर में
कमर झुकी अर गोडा थाक्या।
ऐडा दिन देखणं री खातर
राम जींवता क्यांनें राख्या।

बाप बण्या जद घणां फूलीज्या
थाली बाजी ढोल घुराया।
मांचा में मा बाप पड्या जद
बेटा देखणं नें नहीं आया।

बधाई!

बरपेटा रोड, असम निवासी श्रीमती कलावती देवी चौधरी एवं श्री किशन चौधरी की सुपुत्री **सुश्री हर्षा चौधरी** ने आई.आई.टी., गौहाटी से ओरल कैंसर विषय पर अनुसंधान कर पी.एच.डी. की उपाधि हासिल करने का गौरव प्राप्त किया है। आपके द्वारा इस विषय पर अब तक पैंतालीस से अधिक आर्टिकल प्रकाशित हो चुके हैं और आशा है कि आपके अनुसंधान कार्य से कैंसर बीमारी से लड़ने में सहयोग प्राप्त होगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार सुश्री हर्षा चौधरी को हार्दिक बधाइयाँ देते हुए, उनकी उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

यच्छक्तयो वदतां वादिनां वै विवादसंवादभुवो भवन्ति।
कुर्वन्ति चैषां मुहुरात्ममोहं तस्मै नमोऽनन्तगुणाय भूम्ने।।

मैं उन सर्वव्यापक भगवान् को सादर नमस्कार करता हूँ, जो अनन्त दिव्य गुणों से युक्त हैं. वे सभी दार्शनिकों के हृदय के भीतर से कार्य करते हुए, जो विभिन्न विचारों का प्रसार करने वाले हैं, उनसे उनकी ही आत्मा को भुलवाते है जबकि कभी–कभी उनमें एकमत कराते हैं और कभी–कभी भिन्नता कराते हैं। इस प्रकार वे इस भौतिक जगत में ऐसी स्थिति उत्पन्न करते हैं जिसमें वे किसी भी दार्शनिक निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाते। मैं उन्हें सादर नमस्कार करता हूँ।

अस्तीति नास्तीति च वस्तुनिष्ठयो–
रकस्थयोर्भिन्नविरूद्धधर्मणोः।
अवेक्षितं किञ्चन योगसाङ्ख्ययोः
समं परं ह्यनुकूलं बृहत्तत्।।

संसार मे दो वर्ग हैं – अर्थात् आस्तिक तथा नास्तिक। परमात्मा में विश्वास रखने वाला आस्तिक सम्पूर्ण योग में आध्यात्मिक कारण को पाता है। सांख्यधर्मी, हालाँकि, जो भौतिक तत्त्वों का मात्र विश्लेषण करते हैं, निर्विशेषवाद के निष्कर्ष को प्राप्त होता है और परम कारण को स्वीकार नहीं करता, चाहे वह भगवान् हो, परमात्मा हो या यहाँ तक कि ब्रह्म भी क्यों न हो। इसके बजाय, वह भौतिक प्रकृति के व्यर्थ बाहरी कार्यों में व्यस्त रहता है। किन्तु अन्ततोगत्वा दोनों वर्ग एक परम सत्य की स्थापना करते हैं, क्योंकि विरोधी कथन करते हुए भी उनका लक्ष्य एक ही परम कारण होता है। वे दोनों ही जिस एक परब्रह्म के पास पहुँचते हैं उन्हें मैं सादर नमस्कार करता हूँ।

योऽनुग्रहार्थं भजतां पादमूल–
मनामरूपो भगवाननन्तः।
नामानि रूपाणि च जन्मकर्मभि–
र्भेजे स मह्यं परमः प्रसीदतु।।

पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् जो कि अचिन्त्य रूप से ऐश्वर्यवान् हैं, जो सारा भौतिक नामों, रूपों तथा लीलाओं से रहित हैं और जो सर्वव्यापक हैं, विशेष रूप से उन भक्तों के लिए दयालु है, जो उनके चरणकमलों की पूजा करते हैं। इस प्रकार वे विभिन्न लीलाओं सहित दिव्य रूपों तथा नामों को प्रकट करते हैं। ऐसे भगवान्, जो सच्चिदानन्द विग्रह हैं, मुझ पर कृपालु हों।

श्रीशुक उवाच

अब्भक्षाः कतिचिन्मासान्कतिचिद्वायुभोजनाः।
आराधयन्मन्त्रमिममभ्यस्यन्त इडस्पतिम्।।

ॐ नमो नारायणाय पुरुषाय महात्मने।
विशुद्धसत्त्वधिष्ण्याय महाहंसाय धीमहि।।

कुछ महीनों तक प्रजापति दक्ष के पुत्रों ने केवल जल पिया और वायु खायी। इस प्रकार महान् तपस्या करते हुए उन्होंने इस मन्त्र का जाप किया, हम उन भगवान् नारायण को नमस्कार करते हैं, जो सर्वदा अपने दिव्य धाम में स्थित रहते हैं। चूँकि वे परम पुरुष (परमहंस) हैं, अतएव हम उन्हें सादर नमस्कार करते हैं।

श्रीविश्वरूप उवाच

ॐ हरिर्विदध्यान्मम सर्वरक्षां
न्यस्ताङ्घ्रिपद्मः पतगेन्द्रपृष्ठे।
दरारिचर्मासिगदेषुचाप–
पाशान्दधानोऽष्टगुणोऽष्टबाहुः।।

परमेश्वर, समस्त पक्षियों के राजा गरुड़ की पीठ पर आसीन हैं और अपने चरण-कमल से उसका स्पर्श कर रहे हैं। वे अपने अष्ट भुजाओं में शंख, चक्र, ढाल, तलवार, गदा, तीर, धनुष तथा पाश धारण किये हुए हैं। ऐसे अष्ट भुजाओं वाले पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् सभी समय मेरी रक्षा करें। वे सर्वशक्तिमान हैं, क्योंकि वे आठ योग–शक्तियों (अणिमा, लघिमा इत्यादि) से समन्वित हैं।

रक्षत्वसौ माध्विनि यज्ञकल्पः स्वदंष्ट्रयोन्नीतधरो वराहः।
रामोऽद्रिकूटेष्वथ विप्रवासे सलक्ष्मणोऽव्याद्भरताग्रजोऽस्मान्।।

परम अविनाशी भगवान् को यज्ञों के माध्यम से जाना जाता है, इसीलिए वे यज्ञेश्वर कहलाते है। भगवान् वराह के रूप में अवतार लेकर पृथ्वी लोक को ब्रह्मांड के गर्त से जल में से निकालकर अपनी नुकी दाढ़ों में धारण किया। ऐसे भगवान् मार्ग में दुष्टों से मेरी रक्षा करें। परशुराम पर्वत शिखरों पर मेरी रक्षा करें और भरत के ज्येष्ठ भ्राता रामचन्द्र अपने भाई लक्ष्मण सहित विदेशों में मेरी रक्षा करें।

मामुग्रधर्मादखिलात्प्रमादा
न्नारायणः पातु नरश्च हासात्।
दत्तस्त्वयोगादथ योगनाथः
पायाद्गुणेशः कपिलः कर्मबन्धात्।।

भगवान् नारायण, अनावश्यक रूप से मिथ्या धर्मों का पालन करने और पागलपन के कारण कर्तव्यच्युत होने से मेरी रक्षा करें। नर-रूप में प्रकट भगवान् मुझे वृथा गर्व से बचाएँ। समस्त योगशक्तियों के स्वामी, योगेश्वर दत्तात्रेय, भक्तियोग के पालन से च्युत होने से मेरी रक्षा करें और भगवान् कपिल, समस्त श्रेष्ठ गुणों के स्वामी, सकाम कर्म के भौतिक बन्धन से मेरी रक्षा करें।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री प्रशांत कुमार भंसाली किशनगंज, बिहार	**श्री तेज करण दफ्तरी** किशनगंज, बिहार	**श्री सुनील कुमार दफ्तरी** किशनगंज, बिहार	**श्री अनिल कुमार दफ्तरी** किशनगंज, बिहार	**श्री मनीष कुमार दफ्तरी** किशनगंज, बिहार
श्री अमित कुमार दफ्तरी किशनगंज, बिहार	**श्री विनीत कुमार दफ्तरी** किशनगंज, बिहार	**श्री विकास कुमार दफ्तरी** किशनगंज, बिहार	**श्री रोहित कुमार दफ्तरी** किशनगंज, बिहार	**श्री दीपक दफ्तरी** किशनगंज, बिहार
श्री चेतन दफ्तरी किशनगंज, बिहार	**श्री विमल कुमार दफ्तरी** डी.एस. रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री जय प्रकाश सुंदरानियाँ** हस्पिटल रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री कमल मित्तल** तेघड़िया, किशनगंज, बिहार	**श्री बिमल मित्तल** तेघड़िया, किशनगंज, बिहार
श्री अबिनाश अग्रवाल पुरबपल्ली रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री शरद कानोड़िया** अनवरत मार्ग, किशनगंज, बिहार	**श्री अंकित कानोड़िया** मंदीरम रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री मधूसुदन अग्रवाल** महावीर मार्ग, किशनगंज, बिहार	**श्री बाल कृष्ण अग्रवाल** महावीर मार्ग, किशनगंज, बिहार
श्री विजय कुमार अग्रवाल धर्मशाला रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री विजय कुमार दफ्तरी** किशनगंज, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** महावीर मार्ग, किशनगंज, बिहार	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** महावीर मार्ग, किशनगंज, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** नेमचंद रोड, किशनगंज, बिहार
श्री कमल कुमार अग्रवाल महावीर मार्ग, किशनगंज, बिहार	**श्री प्रभात अग्रवाल** किशनगंज, बिहार	**श्री सुनिल अग्रवाल** किशनगंज, बिहार	**श्री सतीश अग्रवाल** किशनगंज, बिहार	**श्री निरंजन अग्रवाल** धर्मशाला रोड, किशनगंज, बिहार
श्री जीतेन्द्र कुमार चित्लांगिया धर्मशाला रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री नागरमल झँवर** कॉलेज रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री अरूण कुमार शर्मा** जैन मंदिर, किशनगंज, बिहार	**श्री उत्तम कुमार मित्तल** बाल मंदिर रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री राजेश कुमार जालान** किशनगंज, बिहार
श्री सुमित जालान किशनगंज, बिहार	**श्री सुभाष अग्रवाल** सौदागरपट्टी रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री विनीत कुमार अग्रवाल** किशनगंज, बिहार	**श्री बिनोद काला** किशनगंज, बिहार	**श्री राज कुमार छाबड़ा** किशनगंज, बिहार
श्री सुरेश जैन किशनगंज, बिहार	**श्री अमित कुमार सराफ** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री धीरज कुमार जालान** जमालपुर, मुंगेर, बिहार	**श्री विकाश कुमार जालान** जमालपुर, मुंगेर, बिहार	**श्री सुशील कुमार जालान** जमालपुर, मुंगेर, बिहार
श्री सुनिल कुमार जालान जमालपुर, मुंगेर, बिहार	**श्री सुशील कुमार खेमका** बेकापुर, मुंगेर, बिहार	**श्री अशोक अग्रवाल** सुर्यगढ़, लक्खीसराय, बिहार	**श्री सुशील कुमार** सुर्यगढ़, लक्खीसराय, बिहार	**श्री जय शंकर अग्रवाल** सुर्यगढ़, लक्खीसराय, बिहार
श्री संतोष कुमार अग्रवाल सुर्यगढ़, लक्खीसराय, बिहार	**श्री निरज लुहारुका** सुर्यगढ़, लक्खीसराय, बिहार	**श्री संजय कुमार टेकरीवाल** जमाल रोड, पटना, बिहार	**श्री संदीप अग्रवाल** मोतीलाल झील, मुज्झफरपुर, बिहार	**श्री शिव कुमार केजरीवाल** सुजागंज, भागलपुर, बिहार
श्री प्रदीप कुमार जैन सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री अरुण कुमार हिसारीया** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री ललित कुमार केडिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री जय प्रकाश केडिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अमित अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री गोविन्द कुमार अग्रवाल फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री श्रेयस कुमार जैन** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री प्रदीप चंद बोथरा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री शौरभ सेठिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री जितेन्द्र मारोठी** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री सुनिल कुमार भंसाली फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अमित शर्मा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री विपुल छाजेड़** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री प्रतिक प्रकाश** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री निशांत गोयल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री कृष्णा गोयल फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री त्रिलोक चंद अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री शांति लाल चंडलिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री प्रकाश चंद लुणिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री बजरंग डाबड़ीवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री मुकेश कुमार रखेचा फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अनुप कुमार बोथरा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री प्रेम कुमार बोथरा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री श्रीराम धानुका** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार दुग्गड़** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री मांगीलाल गोल्छा फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री विशाल गोल्छा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मनीष कुमार गोल्छा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री निर्मल कुमार बंथिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री धिरेन्द्र कुमार दुगड़** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री अभिषेक दुग्गड़ फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मुकेश कुमार गोयल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री देवेन्द्र जैन** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री तोलाराम जैन** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री बिनोद कुमार अग्रवाल फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री सुमेर मल संचेती** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर माहेश्वरी** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री गोपाल कुमार अग्रवाल** सदर रोड, अररिया, बिहार	**श्री सौरभ डागा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री सुरेन्द्र डागा फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मणी कुमार झवक** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री संजय कुमार बच्छावत** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री दिलीप कुमार सोनावत** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री निर्मल बैद्** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री विनीत अग्रवाल फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अशोक खेमानी** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अमित कुमार** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री भास्कर आनंद** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री हेमंत कुमार चंडलिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री गणेश डागा फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री दीपक समदरिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री कमल कुमार डालमिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री निहाल डालमिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री मनोज कुमार भंसाली** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री रोशन बोथरा फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री ललित कुमार डागा** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री सुमित अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री शुभम फिटकरीवाला** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री शिव भगवान फिटकरीवाला** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री योगेश कुमार अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री सौरभ अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री गौरव कुमार अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री अमित कुमार अग्रवाल फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री कुलदीप कुमार अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री पवन कुमार केडिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री सुशील कुमार फोगला** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री बिनोद कुमार केडिया** फरबिसगंज, अररिया, बिहार
श्री अंकित लुहारुका किद्दावपुरी, पटना, बिहार	**श्री पवन कुमार लुहारुका** किद्दावपुरी, पटना, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** फरबिसगंज, अररिया, बिहार	**श्री सुशील कुमार चमड़िया** दलसिंह सराय, समस्तीपुर, बिहार	**श्री संदीप कुमार चमड़िया** दलसिंह सराय, समस्तीपुर, बिहार
श्री सोनु कुमार दलसिंह सराय, समस्तीपुर, बिहार	**श्री शक्ति शर्मा** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री विशाल कुमार चौधरी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री नितिन पंसारी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री उमंग पंसारी** निर्मली, सुपौल, बिहार
श्री श्लोक पंसारी निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री सौरभ पंसारी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री सौरभ पंसारी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री निशांत जैन** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री मनीष कुमार शर्मा** निर्मली, सुपौल, बिहार
श्री निखिल कुमार चौधरी निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री दिनेश कुमार चौधरी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री नवरतन कुमार बेंगानी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री अविनाष कुमार अग्रवाल** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री पवन कुमार मोरे** निर्मली, सुपौल, बिहार
श्री कौशल कुमार कोहलानियाँ निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री संजय कुमार** अशोक राजपथ, पटना, बिहार	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** अशोक राजपथ, पटना, बिहार	**श्री गौतम प्रकाश** भट्टाचार्या रोड, पटना, बिहार	**श्री मनीष मोदी** कदमकुआँ, पटना, बिहार
श्रीमती मंजू पारीक कैनल रोड, पटना, बिहार	**श्री विकास कुमार** बंधा, प. चम्पारण, बिहार	**श्री आनंद भालोटिया** बोटिंग रोड, पटना, बिहार	**श्री हर्ष भालोटिया** बोटिंग रोड, पटना, बिहार	**श्री पुरुषोत्तम कुमार अग्रवाल** कदमकुआँ, पटना, बिहार
श्री शिव कुमार पटवारी भट्टाचार्या रोड, पटना, बिहार	**श्री श्याम अग्रवाल** एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	**श्री गोपाल राम चौधरी** पटल बाबु रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री चन्द्रा शेखर गुरगुरिया** एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	**श्री गोपाल कृष्णा केटरीवाल** नया टोला, पटना, बिहार
श्री प्रथम मित्तल बड़ी पथ, पटना, बिहार	**श्री शम्भु कुमार अग्रवाल** नया टोला, पटना, बिहार	**श्री विरेन्द्र सरावगी** जमाल रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती पूनम अग्रवाल** एस.पी. वर्मा रोड, पटना, बिहार	**श्री इंद्र कुमार अग्रवाल** एम.पी. रोड, पटना, बिहार
श्री प्रिंसु मोदी सिकन्दरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री ऋषभ अग्रवाल** भट्टाचार्य रोड, पटना, बिहार	**श्री संजय गोयनका** राजापुर, पटना, बिहार	**श्री मोहित बाजोरिया** बोरिंग रोड, पटना, बिहार	**श्री हर्ष वर्धन** अग्रवाल मंदिर, कटिहार, बिहार
श्री यसश्वी कुमार अग्रवाल अग्रवाल मंदिर, कटिहार, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** वीथान, समस्तीपुर, बिहार	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** वीथान, समस्तीपुर, बिहार	**श्री रोशन कुमार सराफ** वीथान, समस्तीपुर, बिहार	**श्री विश्वनाथ अग्रवाल** वीथान, समस्तीपुर, बिहार
श्री प्रेम कुमार अग्रवाल अग्रसेन भवन गली, समस्तीपुर, बिहार	**श्री कन्हैया कुमार गोयल** अग्रसेन भवन गली, समस्तीपुर, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** पेट्रोल पम्प, समस्तीपुर, बिहार	**श्री श्रीनाथ बंका** न्यु डाक बंगला रोड, पटना, बिहार	**श्री अनिल पोद्दार** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार
श्री दिलीप कुमार पोद्दार फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री साकेत कुमार बगड़िया** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री पियुष कमल बगड़िया** कंकड़बाग, पटना, बिहार	**श्रीमती खुसबू बगड़िया** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती रश्मि बगड़िया** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार
श्री शुभम गोयनका संदलपुर, पटना, बिहार	**श्री सुमित तुलस्यान** लक्ष्मी नगर मोड़, पटना, बिहार	**श्री पुनित कुमार जालान** भागवत नगर, पटना, बिहार	**श्री सचिन बंका** भागवत नगर, पटना, बिहार	**श्री विनोद कुमार जालान** भागवत नगर, पटना, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती डॉली बगड़िया आर.के. भट्टाचार्या रोड, पटना, बिहार	**श्री गोविन्द पोद्दार** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री प्रकाश चंद बंका** बोरिंग कैनल रोड, पटना, बिहार	**श्री विक्रम बंका** बोरिंग कैनल रोड, पटना, बिहार	**श्री गौतम बंका** बोरिंग कैनल रोड, पटना, बिहार
श्री सज्जन कुमार बंका भागवत नगर, पटना, बिहार	**श्री निलेश कुमार लाखोटिया** धर्मशाला लाल बाजार, बेंतिया, बिहार	**श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** पाठकगली, बेंतिया, बिहार	**श्री रवि कुमार** लाल बाजार, बेंतिया, बिहार	**श्री विशाल कुमार सीकरिया** लाल बाजार, बेंतिया, बिहार
श्रीमती कुसुम खेमका कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्रीमती निलम खेमका** कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री हर्ष पुरिया** महादेव रोड, आरा, भोजपुर, बिहार	**श्रीमती उषा बजाज** कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्रीमती अंकिता बजाज** कदमकुँआ, पटना, बिहार
श्री सुशील कुमार केजरीवाल गुदड़ी रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री शैलेष अग्रवाल** कोर्ट बाजार, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार खेतान** कॉलेज रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अजय जालान** शंकरचौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अभिषेक सुन्दरका** शंकर चौक, मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार
श्रीमती ज्योति सुन्दरका शंकरचौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अरविन्द जालान** शंकरचौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री जनार्दन प्रसाद भरतिया** कोर्ट बाजार, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री पंकज कुमार गोयनका** कॉलेज रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अजय सुन्दरका** गुदड़ी रोड, सीतामढ़ी, बिहार
श्री नारायण प्रसाद चौधरी कोर्ट बाजार, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री पुनित सराफ** मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री सुरेश मेमानी** कॉलेज रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री राजेश सुन्दरका** साहचौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री भवानी शंकर मोहता** मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार
श्री उमाशंकर मोहता सोनापट्टी, बिहार	**श्री दीपक अग्रवाल** कंकड़बाग, पटना, बिहार	**श्री अंकित चौधरी** बुद्धमार्ग, पटना, बिहार	**श्री राजेन्द्र कुमार जैन** चौक बाजार, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री दीपक मस्करा** शंकर चौक, सीतामढ़ी, बिहार
श्रीमती शांति टिबड़ेवाल एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	**श्री पवन कुमार लडिया** एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	**श्री कैलाश अग्रवाल** एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	**श्री रवि प्रकाश भीमराजका** आर.पी.एस. रोड, पटना, बिहार	**श्री सोनु सराफ** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार
श्री प्रदीप कुमार मंडीवाल जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार	**श्री अमन कमलिया** लोधी कटरा, पटनासिटी, बिहार	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** सलीमपुर गोला, पटना, बिहार	**श्रीमती किरण सुरेका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री विवेक सुरेका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार
श्रीमती अंजली सुरेका फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री वेदांत सरावगी** कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्री महेश संथलिया** कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री विजय कुमार संथलिया** कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री गोविन्द प्रसाद** हसनपुर रोड, समस्तीपुर, बिहार
श्री अशोक कुमार खेतान विथान, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सुशील कुमार** विथान, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सतीश कुमार बंका** सिन्हा लाईब्रेरी रोड, पटना, बिहार	**श्री मुरारी लाल केसान** कुसान क्वार्टर, बेतिया, बिहार	**श्री अशोक कुमार चौधरी** लाल बाजार, बेतिया, बिहार
श्री श्रवण कुमार रुँगटा लाल बाजार, बेतिया, बिहार	**श्री मनीष कुमार उदयपुरिया** जनता सिनेमा चौक, बेतिया, बिहार	**श्री मुरारी लाल क्याल** लाल बाजार, बेतिया, बिहार	**श्री आशिष शर्मा** स्टेशन रोड, बेतिया, बिहार	**श्रीमती मधु मोदी** राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार
श्री उधव मोदी राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार	**श्रीमती स्वेता मोदी** राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार	**श्री उद्रेक विक्रम धरणीधरका** राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार	**श्रीमती गरिमा धरणीधरका** राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार	**श्री सौरव केडिया** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री दिनेश शर्मा पुपरी, बिहार	**श्री अमित कुमार बुबना** पुपरी, बिहार	**श्री मानस कुमार जालान** पुपरी, बिहार	**श्री संजीत केडिया** पुपरी, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार जालान** पुपरी, बिहार
श्री देवा नंद बागला पुपरी, बिहार	**श्री रितेश कुमार** पुपरी, बिहार	**श्री संजय कुमार बूबना** पुपरी, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार केजरीवाल** पुपरी, बिहार	**श्री ब्रजेश कुमार जालान** पुपरी, बिहार
श्री रंजीत कुमार पुपरी, बिहार	**श्री संजय बाजोरिया** पुपरी, बिहार	**श्री पंकज कुमार जालान** जवाहर चौक, सितामढ़ी, बिहार	**श्री पंकज सराफ** सितामढ़ी, बिहार	**श्री ऋषि मुरारका** मेन रोड, सितामढ़ी, बिहार
श्रीमती पूनम सराफ सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री श्रवण कुमार सुल्तानियाँ** बेनीपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्री अंकित कुमार अग्रवाल** साहेबगंज, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री रवि प्रकाश** नवगछिया, बिहार	**श्री कन्हैया कुमार केडिया** नवगछिया, बिहार
श्री बाल कृष्ण पंसारी पोस्ट ऑफिस रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री प्रवीण कुमार शर्मा** गाड़ोदिया पथ, नवगछिया, बिहार	**श्री नरेश कुमार केडिया** पोस्ट ऑफिस रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री राहुल मावड़िया** पुरानी सब्जी पट्टी, नवगछिया, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल** पुरानी सब्जी पट्टी, नवगछिया, बिहार
श्री कृष्ण कुमार यादुका गाड़ोदिया पथ, नवगछिया, बिहार	**श्री आशिष चौधरी** नवगछिया, बिहार	**श्री अमित कुमार वर्मा** नवगछिया, बिहार	**श्री शिव कुमार पंसारी** महाराजा चौक, नवगछिया, बिहार	**श्री सत्यनारायण चौधरी** पोस्ट ऑफिस रोड, नवगछिया, बिहार

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS

STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT

Our Services

- Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
- Shipping / Steamer Handling Agent
- Road Transportation
- In bound & Out bound Logistics
- Container Freight Services

A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com

PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री विनोद चिरानियाँ नवगछिया, बिहार	**श्री नंद किशोर केडिया** नवगछिया, बिहार	**श्री दीपक कुमार** नवगछिया, बिहार	**श्री अशोक कुमार गोपालका** नवगछिया, बिहार	**श्री बिमल कुमार मावंड़ियाँ** मेन रोड, नवगछिया, बिहार
श्री सौरभ कुमार गर्ग धर्मशाला रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री पवन कुमार सर्राफ** स्टेशन रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री नीरज कुमार** नंदलाल घाट रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री सुरेश कुमार केडिया** मेन रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री मनीष कुमार केडिया** मेन रोड, नवगछिया, बिहार
श्री बनवारी लाल पंसारी नवगछिया, बिहार	**श्री आशीष कुमार यादुका** गाड़ोदिया पथ, नवगछिया, बिहार	**श्री रचित कुमार गाड़ोदिया** हतियापट्टी, नवगछिया, बिहार	**श्री निखिल कुमार चिरानियाँ** काली मंदिर रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री विनय कुमार केजरीवाल** नवगछिया, बिहार
श्री अभय प्रकाश मुन्का धर्मशाला रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री मनोज अग्रवाल** दुर्गा मंदिर चौक, नवगछिया, बिहार	**श्री शिव कुमार डोकानियाँ** ठाकुर बाड़ी रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री संदीप कुमार यादुका** धर्मशाला रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री रमेश कुमार सराफ** नवगछिया, बिहार
श्री पारस कुमार खेमका नवगछिया, बिहार	**श्री मुकेश कुमार चिरानियाँ** पोस्ट ऑफिस रोड, नवगछिया, बिहार	**श्री सुरेश केडिया** मेन रोड, तेघड़ा, बिहार	**श्री भुषण अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री राजेश अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री गोपाल कुमार टिबड़ेवाल तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री राजेश सुलतानियाँ** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री विवेक कुमार** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री भीमराज शर्मा** तेघड़ा बजार, बेगुसराय, बिहार	**श्री सुशील केजरीवाल** मेन रोड, बेगुसराय, बिहार
श्री महेश कुमार तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री अरूण केडिया** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री दिव्यांस सुल्तानियाँ** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री सौरभ केजरीवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री शिव कुमार केजरीवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री अनिल भरतिया तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री पवन कुमार केडिया** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री विक्रम कुमार केडिया** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री सुनिल शर्मा तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री सुनिल कुमार टिकमानी** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री भुवन खेतान** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री मदन लाल केलंका वार्ड नं.-१९, बेगुसराय, बिहार	**श्री मुकेश नजरिया** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री विजय कुमार सुल्तानियाँ** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री सुशील कुमार सुल्तानियाँ** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री संतोष शर्मा तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री सुबोध टिबड़ेवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री गिरधारी लाल शर्मा** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री विजय कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री विजय कुमार अग्रवाल तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री सुनील कुमार सुल्तानियाँ** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री सैरभ केडिया** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार मखरिया** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्री वरुण सिंघानियाँ तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री रतन लाल अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्री कमलेश कुमार सुल्तानियाँ** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती राधा टिकमानी** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती निलम अग्रवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार
श्रीमती पूनम अग्रवाल तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती प्रमीला देवी** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती अनुराधा केजरीवाल** तेघड़ा, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती सुधा सुल्तानियाँ** मेन रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती मौसम अग्रवाल** मेन रोड, बेगुसराय, बिहार
श्रीमती संतोष देवी मेन रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्री मुकेश कुमार नाहर** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री श्रवण कुमार पंसारी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्रीमती मीना तांतिया** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्रीमती एकता झुनझुनवाला** निर्मली, सुपौल, बिहार
श्री अर्पित सुराना निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सोनिका नाहर** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्रीमती पूनम जालान** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्रीमती आँचल अभिषेक पंसारी** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्रीमती मंजू बाला पंसारी** निर्मली, सुपौल, बिहार
श्रीमती नेहा पंसारी निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्री नितीन चोपड़ा** निर्मली, सुपौल, बिहार	**श्रीमती किरण झुनझुनवाला** टेकरी रोड, गया, बिहार	**श्री अभिषेक अग्रवाल** गोसाई बाग, गया, बिहार	**श्री राजेश कुमार बजाज** महालक्ष्मी मार्केट, रोसड़, बिहार
श्री महेश सोंथलिया कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री विजय कुमार सोंथलिया** कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्रीमती मोनिका खेमका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती सरिता खेमका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री विनोद कुमार गौरीसरिया** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार
श्री सुरेश कुमार खेमका फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री अभिषेक खेमका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती तृषा बंका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती उमा बंका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर बंका** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती आशा देवी बंका फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती रेखा गोयनका** डाक बंगला रोड, पटना, बिहार	**श्री सुरज अग्रवाल** एस.पी. वर्मा रोड, पटना, बिहार	**श्री महेश अग्रवाल** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री मोहन अग्रवाल** पूल चौक, बेगुसराय, बिहार
श्री संजय कुमार कानोड़िया नया टोला, पटना, बिहार	**श्री राजेश कुमार जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री दिनेश पारीक** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री संजय मोर** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अमित अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री आनंद कुमार ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री हेमराज शर्मा** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री दिलीप कुमार गाड़ोदिया** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री महेश कुमार बियानी** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री सत्यनारायण अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्रीमती सुनिता आग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री सर्वेस जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री रमेश कुमार जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री नरेश कुमार जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री पंकज अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री मोहन जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री विकाश कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री चंद प्रकाश माहेश्वरी** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्रीमती पूनम अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री गोविन्द अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री सुमित अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री विकास कुमार जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री ज्ञान चंद जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री माधव धानुका ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री राजकुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री मनोज कुमार जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री मुरारी गाड़ोदिया** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री दीपक कुमार अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अभिषेक मोर** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अमित अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री विवेक अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री त्रिलोक अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्रीमती सुरभी कुमारी अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री शुभम अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री रवि कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री राजेश कर्नानी** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री प्रकाश चंद अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री पवन शर्मा** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती नीतु नारावत** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री निरंजन मोर ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री निरंजन कुमार मंत्री** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री निकेश अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री नंद किशोर अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री मुरारी लाल सराफ** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री मुकेश कुमार जैन ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री मंजीत कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती लता अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री कमलेश कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री हितेश जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री गोपाल गाड़ोदिया** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री गोपाल कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री गोबिन्द अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री गणेश कुमार अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री दिलीप अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री चन्द्र शेखर अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री विकाश अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री भगवती देवी** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री बनवारी लाल अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री बच्छराज नरावत** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अमित लाल सराफ** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अजीत कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री अजय कुमार अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अमित कुमार** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री विनोद खण्डेलवाल** नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री विक्रम कुमार सराफ** नवगछिया, भागलपुर, बिहार
श्री रमेश खेमका नवगछिया, भागलपुर, बिहार	**श्री ऋषभ सिंघल** दरियापुर, पटना, बिहार	**श्री तरुण कुमार हिसारिया** राजेन्द्रनगर, पटना, बिहार	**श्री प्रशांत कुमार केडिया** कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** जगत नारायण रोड, पटना, बिहार
श्री अभिषेक कुमार तुलस्यान कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्री संजय कुमार लाठ** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री रतन अग्रवाल** लंगराती, पटना, बिहार	**श्री राहुल शर्मा** सगुजा मोड़, पटना, बिहार	**श्री अतुल कुमार** सगुजा मोड़, पटना, बिहार
श्री प्रह्लाद शर्मा सगुजा मोड़, पटना, बिहार	**श्री हरि प्रसाद लडिया** सकरी, दरभंगा, बिहार	**श्री अरविन्द कुमार केडिया** सकरी, दरभंगा, बिहार	**श्री उमंग कुमार** सकरी, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रदीप झुनझुनवाला** सकरी, दरभंगा, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री शेखर झुनझुनवाला सकरी, दरभंगा, बिहार	**श्री गणेश झुनझुनवाला** सकरी, दरभंगा, बिहार	**श्री अमित वर्मा** सकरी, दरभंगा, बिहार	**श्री विकाश कुमार अग्रवाल** सकरी, दरभंगा, बिहार	**श्री सतीश कुमार खेतान** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार
श्री महेश कुमार कानोड़िया कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री आनंद कुमार खेतान** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री छेदी लाल कानोड़िया** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री आशीष कुमार** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रदीप गोयल** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार
श्री संदीप गोयल कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री दीपक गोयल** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री लक्खी प्रसाद भालोटिया** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री राजेश कुमार कानोड़िया** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री बिजय अग्रवाल** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार
श्री संदीप टिबड़ेवाल कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रवीण कुमार टिबड़ेवाल** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री गिरधारी प्रसाद कानोड़िया** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री पुरुषोत्तम प्रसाद कानोड़िया** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार
श्री मनीष कुमार कानोड़िया कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री अर्जुन प्रसाद टिबड़ेवाल** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री हितेश कुमार** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री सुरेश कुमार कानोड़िया** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री हेमन्त कुमार भालोटिया** कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार
श्री रमन कुमार अग्रवाल कुशेष्वर स्थान, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रदीप बोहरा** मारवाड़ी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल** समस्तीपुर, बिहार	**श्री ओम प्रकाश चौधरी** बसंत मार्केट, समस्तीपुर, बिहार	**श्री निर्मल कुमार सराफ** बसंत मार्केट, समस्तीपुर, बिहार
श्री गोपाल प्रसाद सिंघानियाँ मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री अतुल बिहारी मोदी** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री विजय कुमार जालान** गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री रितेश कुमार अग्रवाल** गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार
श्री कृष्ण कुमार केडिया मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री आनंद कुमार सोंथलिया** गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री योगेश कुमार केडिया** गणेश चौक, समस्तीपुर, बिहार	**श्री पंकज सिंधी** गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार
श्री राम चरण अग्रवाल समस्तीपुर, बिहार	**श्री मोहन लाल चौधरी** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सुरेन्द्र कुमार बंका** बहादुरपुर, समस्तीपुर, बिहार	**श्री अरुण कुमार सुरेका** गणेश चौक, समस्तीपुर, बिहार	**श्री रमेश बोहरा** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार
श्री सुनील अग्रवाल आर्य समाज, समस्तीपुर, बिहार	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** घोष लेन, समस्तीपुर, बिहार	**श्री निर्मल केडिया** आर्य समाज रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री श्याम लाल सराफ** समस्तीपुर, बिहार	**श्री विकास कुमार शर्मा** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार
श्री श्रवण कुमार मोदी बसंत मार्केट, समस्तीपुर, बिहार	**श्री संजय कुमार मोर** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल,** आर्य समाज रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सुजीत कुमार खेमका** आर्य समाज रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राज कुमार नांग्लीय** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार
श्री मनीष कुमार अग्रवाल मोहनपुर रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री निरज कुमार खेमका** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री कैलाश कुमार झुनझुनवाला** बंगाली टोला, समस्तीपुर, बिहार	**श्री ओम प्रकाश बंसल** गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री ओम प्रकाश पालीवाल** स्टेशन रोड, समस्तीपुर, बिहार
श्री आनंद कुमार अग्रवाल बहादुरपुर, समस्तीपुर, बिहार	**श्री रवि कुमार सराफ** मारवाड़ी बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री नकुल जाजोदिया** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री उत्कर्ष वर्धन** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री पियुष कंदोई** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार
श्रीमती नीलम बजाज दरभंगा, बिहार	**श्री विनोद कुमार भरतिया** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री दीपक कुमार महनसरिया** कबीराबाद, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार सराफ** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती चंचल केडिया** गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार
श्री कृष्ण कुमार कानोड़िया लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रभात कुमार बोहरा** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती सुनिता जाजोदिया** भगत सिंह चौक, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती शिल्पी जाजोदिया** भगत सिंह चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री संजीत कुमार जाजोदिया** भगत सिंह चौक, दरभंगा, बिहार
श्री अनिल कुमार पंसारी लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री शुभम कुमार महिपाल** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री मिर्णल बैरोलिया** गुलाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री कुनाल बैरोलिया** गुलाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री सत्यनारायण प्रसाद** गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार
श्रीमती कुसुम देवी गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री आयुष कुमार कानोड़िया** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री सुजीत कुमार गुप्ता** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री संजीब कुमार अग्रवाल** मिर्जापुर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री मुकेश कुमार जसराजपुरिया** गुदड़ी बाजार, दरभंगा, बिहार
श्री विनोद कुमार सरावगी दरभंगा, बिहार	**श्रीमती खूसबु अग्रवाल** महाराजा पूल, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती नारायणी अग्रवाल** महाराजा पूल, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती अनिता अग्रवाल** महाराजा पूल, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती अलका अग्रवाल** महाराजा पूल, दरभंगा, बिहार
श्री विनोद कुमार तुलस्यान दरभंगा, बिहार	**श्री विनोद कुमार दारूका** गुदड़ी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री गौरव जालान** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती ज्योति बोहरा** मशरफ बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती संगीता मित्तल** गणेश मंदिर चौक, दरभंगा, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री अनिल गोयनका टावर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री हरि शंकर शर्मा** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री तरुण कुमार मारोदिया** गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती नेहा बैरोलिया** सुपर डोनर, दरभंगा, बिहार	**श्री हर्षित कुमार** सुपर डोनर, दरभंगा, बिहार
श्रीमती शुभा बैरोलिया सुपर डोनर, दरभंगा, बिहार	**श्री शशि बंसल** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री कुणाल जाजोदिया** राज कुमार गंज, दरभंगा, बिहार	**श्री ललित कुमार झुनझुनवाला** डोनर रोड, दरभंगा, बिहार	**श्री शम्भु कुमार लोहारुक** पुरानी दुर्गा स्थान, दरभंगा, बिहार
श्री अमित कुमार सुरेका गुदड़ी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री मनोज कुमार केडिया** मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती मधु कानोड़िया** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती रागिनी पोद्दार** स्टेशन रोड, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती तनु खेतान** दरभंगा, बिहार
श्री गोविन्द खेतान गणेश मंदिर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती मधू खेतान** गणेश मंदिर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती प्रिती देवी** गणेश मंदिर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री मुकेश कुमार ढाँढनियाँ** गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती रश्मि पंसारी** मशरफ बाजार, दरभंगा, बिहार
श्रीमती सरिता देवी पंसारी गोल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री स्वाती बजाज** दरभंगा, बिहार	**सुश्री सुरभी अग्रवाल** मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार	**श्री ओम सराफ** मिर्जापुर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती वर्षा भालोटिया** गणेश मंदिर चौक, दरभंगा, बिहार
श्रीमती मधू पंसारी मशरफ बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती रचना बैरोलिया** डोनर रोड, दरभंगा, बिहार	**श्री कुलदीप दीवान** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री आदित्य दीवान** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार पंसारी** शिवधारा, दरभंगा, बिहार
श्री अमित बोहरा शुभाष चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री राजेश कुमार ढ़ाँढ़नियाँ** गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री दीपक कुमार ढ़ाँढ़नियाँ** गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री अनिरुद्ध कुमार** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती मोना सरावगी कानोड़िया** गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार
डॉ. गौतम कुमार कानोड़िया गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री दया शंकर टेकरीवाल** जुरावन सिंह मार्ग, दरभंगा, बिहार	**श्री अमित कुमार खेतान** श्रीराम चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री काशी कुमार केडिया** गांधी चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री विक्रम कुमार महिपाल** पुनम सिनेमा रोड, दरभंगा, बिहार
श्री अशोक कुमार बोहरा बोहरा गली, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती प्रियंका अग्रवाल** गांधी चौक, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती सिप्पी कंदोई** दरभंगा, बिहार	**श्रीमती सुनिता देवी कंदोई** बांग्लागढ़, दरभंगा, बिहार	**श्री राजेश कुमार तुलस्यान** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार
श्री राज कुमार गोयल डोनर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री कैलाश प्रसाद डोकानियाँ** गुदड़ी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री शंकर लाल बूबना** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रतिक कुमार सराफ** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री अरुण कुमार सरावगी** पंचनाथ मंदिर, दरभंगा, बिहार
श्री रोहित बोहरा टावर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती बंदना बोहरा** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री दिलीप कुमार दारुका** टावर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री अभिषेक सराफ** लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री संजय कुमार गोयल** डोनर चौक, दरभंगा, बिहार
श्री श्रवण कुमार बैरोलिया लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री सिताराम लाठ** बड़ा बाजारा, दरभंगा, बिहार	**श्री सुनिल कुमार लाठ** बड़ा बाजारा, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती सारिका केडिया** पुनम सिनेमा रोड, दरभंगा, बिहार	**डॉ. सुमित मित्तल** अल्लपट्टी, दरभंगा, बिहार
श्री रघुबीर किरोरीमल कटकी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री विनोद कुमार वर्मा** राम चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री परमानंद केडिया** शिवाजी नगर, दरभंगा, बिहार	**श्री वैभव प्रकाश सराफ** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती विनीता देवी सराफ** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार
श्रीमती प्रार्थना सुरेका लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री श्याम कुमार मखरिया** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**डॉ. लता खेतान** शिवाजी नगर, दरभंगा, बिहार	**डॉ. राम बाबु खेतान** शिवाजी नगर, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती संगीता डोकानियाँ** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार
श्री संजय केडिया गुल्लोवाड़ा, बेंतिया, बिहार	**श्री संजय केडिया** जलपान रोड, बेंतिया, बिहार	**श्री मुरारी कुमार जगनानी** लाल बाजार, बेंतिया, बिहार	**श्री नारायण कुमार अग्रवाल** लाल बाजार, बेंतिया, बिहार	**श्री विष्णु जालान** जनता सिनेमा चौक, बेंतिया, बिहार
श्री कौशल मोटानी उज्जैन टोला, बेंतिया, बिहार	**श्री संदीप केशान** छोटा रमना, बेंतिया, बिहार	**श्री सुरेश केशान** शोभा बाबू चौक, बेंतिया, बिहार	**श्री अशोक अग्रवाल** बेंतिया, बिहार	**श्री विनोद सर्राफ** चर्च रोड, बेंतिया, बिहार
श्री प्रदीप कुमार छापोलिया स्टेशन चौक, बेंतिया, बिहार	**श्री संजीव कुमार पोद्दार** लाल बाजार, बेंतिया, बिहार	**श्री राजेश कुमार सिकरिया** लाल बाजार, बेंतिया, बिहार	**श्री दिलीप कुमार केडिया** अशोक राजपथ, पटना, बिहार	**श्रीमती सुमन केडिया** अशोक राजपथ, पटना, बिहार
श्री विनायक केडिया अशोक राजपथ, पटना, बिहार	**श्रीमती कुसुम देवी सरावगी** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री वरुण सरावगी** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** जमालपुर, पटना, बिहार	**श्रीमती सृष्टी सरावगी** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार
श्रीमती पारुल चौधरी फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्रीमती अनुसुया चौधरी** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री अशोक कुमार शर्मा** दरिया पहाड़ गोला, पटना, बिहार	**श्री विनोद कुमार मिश्रा** चुड़ी मार्केट, पटना, बिहार	**श्री निरज सिंघानियाँ** पटना, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री रूपेश कुमार जोशी रामपुर रोड, पटना, बिहार	**श्री निर्मल शर्मा** राजेन्द्र नगर रोड, पटना, बिहार	**श्री सुभाष कुमार शर्मा** स्टेशन रोड, पटना, बिहार	**श्री निशांत पोद्दार** पटना, बिहार	**श्री आयुष आनंद** पटना, बिहार
श्री राजीव कुमार तुलस्यान सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री सुनिल कुमार मोटानी** अखाड़ाघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री सुनील तुलस्यान** सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री दीपक तुलस्यान** सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री सुरेश केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार
श्री रवि कुमार केडिया सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री संतोष केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री अनिल केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री अमन केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री अमित कुमार केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार
श्री आयुष कुमार केडिया सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री मुरली केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री रंजीत कुमार केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री आशीष केडिया** सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार
श्री सुनील कुमार केडिया सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार	**श्री दिलीप कुमार भोलाराम अग्रवाल** पुरैनी, मधेपुरा, बिहार	**श्रीमती उषा शारदा** सहरसा, बिहार	**श्री जीवन कुमार सुरेका** सहरसा, बिहार	**श्री मनीष सुल्तानियाँ** मधेपुरा, बिहार
श्रीमती सुमन देवी सर्राफ मधेपुरा, बिहार	**श्री सुमित कुमार** सुपौल, बिहार	**श्री सज्जन कुमार पुगलिया** सुपौल, बिहार	**श्री सुभाष जैन** सुपौल, बिहार	**श्रीमती बसंती देवी** सुपौल, बिहार
श्रीमती साधना देवी सुपौल, बिहार	**श्री सोनु कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्रीमती गुंजन अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्रीमती विद्या मोहनका** सुपौल, बिहार
श्री शरद कुमार सुपौल, बिहार	**श्री अशोक कुमार शर्मा** सुपौल, बिहार	**श्री रमेश कुमार शर्मा** सुपौल, बिहार	**श्री अरिहंत जैन** सुपौल, बिहार	**श्रीमती शानु जैन** सुपौल, बिहार
श्री राकेश कुमार जैन सुपौल, बिहार	**श्री आशीष अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री अनुपम अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार
श्री बजरंग कुमार अग्रवाल सुपौल, बिहार	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्रीमती संगीता देवी** सुपौल, बिहार	**श्री नरेश कुमार मिश्रा** सुपौल, बिहार
श्री संजय कुमार एग्रवाल सुपौल, बिहार	**श्रीमती पुष्पा अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्रीमती सुनीता अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री निखिल अग्रवाल** सुपौल, बिहार
श्री पुरुषोत्तम प्रसाद सुपौल, बिहार	**श्रीमती स्वेता मोहनका** सुपौल, बिहार	**श्रीमती सरोज देवी** सुपौल, बिहार	**श्री संदीप कुमार मोहनका** सुपौल, बिहार	**श्री कुंज बिहारी सरावगी** सुपौल, बिहार
श्रीमती सरिता देवी सुपौल, बिहार	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री केशव प्रसाद अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री मुकेश कुमार मोहनका** सुपौल, बिहार	**श्रीमती सविता अग्रवाल** सुपौल, बिहार
श्री दशरथ कुमार शर्मा सुपौल, बिहार	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री बद्री प्रसाद अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** सुपौल, बिहार	**श्री संजय कुमार पालड़ीवाल** एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार
श्री गौरव ड्रोलिया खगड़िया, बिहार	**श्री पदम चंद कोठारी** खगड़िया, बिहार	**श्री अनिल कुमार मोटानी** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री बनवारी लाल भीमसरिया** सागरमल चौक, खगड़िया, बिहार	**श्री अरूण कुमार दहलान** लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार
श्री चंदन कुमार फोगला मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री नीरज कुमार केडिया** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**डॉ. अभिषेक जैन** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री समरेश जालान** खगड़िया, बिहार	**श्री गौरव मिश्रा** खगड़िया, बिहार
श्री विरेन्द्र कुमार सेन्ट्रल बैंक रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री विजय कुमार सुल्तानियाँ** मुर्गीयाचक, खगड़िया, बिहार	**श्री श्याम बिहारी शर्मा** खगड़िया, बिहार	**श्री नारायण अग्रवाल** खगड़िया, बिहार	**श्री रवि कुमार अग्रवाल** खगड़िया, बिहार
श्री अमित कुमार केडिया खगड़िया, बिहार	**श्री धनमल कोठारी** खगड़िया, बिहार	**श्री रोहित कुमार कोठारी** खगड़िया, बिहार	**श्री आनंद कुमार बजाज** खगड़िया, बिहार	**श्री संकट मोचन टेकरीवाल** खगड़िया, बिहार
श्री राहुल कुमार खगड़िया, बिहार	**श्री गौरव गोयनका** खगड़िया, बिहार	**श्री अमित कुमार बजाज** खगड़िया, बिहार	**श्री संदीप कुमार मोटानी** खगड़िया, बिहार	**श्री जय प्रकाश जैन** खगड़िया, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री आदित्य अग्रवाल खगड़िया, बिहार	**श्री पवन कुमार केडिया** खगड़िया, बिहार	**श्री अमित कुमार सराफ** खगड़िया, बिहार	**श्री नीतेश कुमार** खगड़िया, बिहार	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** खगड़िया, बिहार
श्री गोपाल तुलस्यान खगड़िया, बिहार	**श्री रोहन भीमसरीया** खगड़िया, बिहार	**श्री सौरभ बाजाज** खगड़िया, बिहार	**श्री सचिन कुमार जगनानी** खगड़िया, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार दहलान** खगड़िया, बिहार
श्री रोशन कुमार तुलस्यान खगड़िया, बिहार	**श्री मोहित तुलस्यान** खगड़िया, बिहार	**श्री सज्जन बजाज** खगड़िया, बिहार	**श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा** खगड़िया, बिहार	**श्री राहुल कुमार शर्मा** खगड़िया, बिहार
श्री राज कुमार अग्रवाल खगड़िया, बिहार	**श्री अजीत कुमार बजाज** खगड़िया, बिहार	**श्री पंकज तुलस्यान** खगड़िया, बिहार	**श्री वैभव जैन** खगड़िया, बिहार	**श्री चंदन कुमार** खगड़िया, बिहार
श्रीमती ज्योति कुमारी बंका मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री मनोज कुमार चमडिया** मेन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री अनिरुद्ध जालान** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्री नवीन कुमार तुलस्यान** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्री रोहित कुमार टेकरीवाल** खगड़िया, बिहार
श्री अशोक कुमार केशान गांधी नगर, खगड़िया, बिहार	**श्री राज कुमार खेतान** मेन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री अमित सुल्तानियाँ** खगड़िया, बिहार	**श्री सुमित कुमार सुल्तानियाँ** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री अर्जुन कुमार जैन** वार्ड नं.-२०, खगड़िया, बिहार
श्री विकाश कुमार खंडेलिया एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री पवन कुमार चमड़िया** लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार	**श्री राज कुमार जैन** राजेन्द्र चौक, खगड़िया, बिहार	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** सागरमल चौक, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती अर्चना अग्रवाल** मील रोड, खगड़िया, बिहार
श्रीमती अनिता केडिया मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री अमर नाथ गोयनका** विद्याधर, खगड़िया, बिहार	**श्री सोनु बजाज** खगड़िया, बिहार	**श्री नितीन तुलस्यान** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्री मनोज कुमार** मुर्गीचक, खगड़िया, बिहार
श्रीमती प्रियंका बजाज एम.जी. मार्ग, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती ईसिका जैन** खगड़िया, बिहार	**श्रीमती रेणु पालड़ीवाल** लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती संगीता देवी बाजोरिया** मेन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती ऊर्मिला केडिया** खगड़िया, बिहारर
श्रीमती नीलम केडिया खगड़िया, बिहार	**श्रीमती डॉली अग्रवाल** खगड़िया, बिहार	**श्रीमती रेखा बजाज** सागरमल चौक, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती अनिता कोठारी** खगड़िया, बिहार	**श्रीमती अनिता तुलस्यान** मालगोदाम रोड, खगड़िया, बिहार
श्रीमती सरला बजाज मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती राधा तुलस्यान** माल गोदाम चौक, खगड़िया, बिहार	**श्री ज्ञान प्रकाश तुलस्यान** एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार बाजोरिया** मेन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती ज्योति अग्रवाल** लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार
श्रीमती मीरा गोयनका खगड़िया, बिहार	**श्रीमती मीरा तुलस्यान** मुर्गीयाचक, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती पूनम केडिया** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती मधू बजाज** खगड़िया, बिहार	**श्री सौरव खेड़िया** लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार
श्री राजेश बजाज मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती अनिता पंसारी** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती किरण केडिया** स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री मनीष कुमार** खगड़िया, बिहार	**श्री पवन कुमार बजाज** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार
श्रीमती उर्मीला दहलान मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती ममता देवी** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती कुसुम देवी बजाज** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**डॉ. श्रीमती रामानंदी जैन** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती नीलम केडिया** स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार
श्रीमती सुधा तुलस्यान एस.डी.ओ. मार्ग, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती प्रज्ञा ड्रोलिया** एम.जी. रोड, खगड़िया, बिहार	**श्रीमती हेमा ड्रोलिया** खगड़िया, बिहार	**श्रीमती रेखा देवी अग्रवाल** एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार
श्री पवन कुमार अग्रवाल महिला कॉलेज, खगड़िया, बिहार	**श्री संतोष कुमार तुलस्यान** बैंक रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री शरद कुमार** माल गोदाम रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री रवि गोयनका** खगड़िया, बिहार	**श्री विश्वनाथ खण्डेलिया** स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार
श्री विशाल झेलिया एम.जी. रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री मयंक बजाज** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्री विशाल जैन** विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्री जितेश मोरानी** मील रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री कैलाश फोगला** खगड़िया, बिहार
श्री अनिल शर्मा तेघड़ा, बिहार	**श्री अंकित कुमार अग्रवाल** शालीमार, बिहार	**श्री शुभम कुमार** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुबोध कुमार** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री प्रमोद साह** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार
श्री मनीष कुमार पालरीवाल पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री आदित्य रंजन** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुशील कुमार सुल्तानियाँ** पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्रीमती ममता अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री सज्जन कुमार केजरीवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th July 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

RUPA®

FRONTLINE
COLORS

FRONT OPEN MINI TRUNK

Rupa Frontline brings COLORS FRONT OPEN MINI TRUNK inspired by Nature, from the world over. We have chosen the best colours that nature offers from Ukraine, India, Maldives, Bulgaria, Norway, Sri Lanka, United States, Iceland, Denmark and have put into your Pure, Natural, Cotton garment. Go ahead. Choose your colours. Experience nature in its purest form.

INSPIRED FROM NATURE

ROYAL BLUE
LOCATION MALDIVES

OLIVE GREEN
LOCATION NORWAY

RED
LOCATION UKRAINE

BLACK
LOCATION BULGARIA

MOUSE
LOCATION DENMARK

WINE
LOCATION SRI LANKA

CHARCOAL
LOCATION NORWAY

AIRFORCE BLUE
LOCATION ICELAND

NAVY BLUE
LOCATION USA

BROWN
LOCATION INDIA

www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com